संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 126
पृष्ठ 8
गुरुवार
23 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मीठा खाने के शौकीन....

विचार- विश्व राजनीति के .....

खेल- रणजी ट्रॉफी में लंबे.....

प्रयागराज-चित्रकूट विकास क्षेत्र के प्रस्ताव को मंजूरी मिली

महाकुंभ नगर, संवाददाता। योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में महाकुंभनगर के अरैल क्षेत्र में मंत्रिमंडल की बैठक में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार सृजन और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े कई अहम प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी। इसके बाद सीएम योगी की अगुवाई में एक साथ 54 मंत्रियों ने संगम में डुबकी लगाई। भीषण शदी के बावजूद भी अस्था के आगे सर्दी बेअसर नजर आ रहा था। आप को बता दें कि मंत्रिमंडल में शामिल भाजपा के सहयोगी अपना दल (एस),निषाद पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) भी बैठक में मौजूद रहे। इससे पहले 2019 में यहां आयोजित महाकुंभ के मौके पर योगी मंत्रिमंडल की बैठक हुयी थी। श्री योगी ने बैठक के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में महाकुंभ में आये सभी पूज्य संतो और श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुये कहा कि यह पहली बार है जब उप्र का संपूर्ण मंत्रिमंडल महाकुंभ नगर में

उपस्थित है। बैठक में विकास से जुडे नीतिगत मुद्दों और प्रयागराज के विकास से जुड़े मुद्दों पर पर चर्चा हुयी है। उप्र की एयरोस्पेस और डिफेंस और रोजगार से जुडी पालिसी के पांच साल पूरे हो चुके है और इसकी नयी नीति के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गयी है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 20 के अंतर्गत अभियोजन निदेशालय की स्थापना के सम्बंध में प्रस्ताव को मंजूरी। प्रयागराज नगर निगम ,वाराणसी नगर निगम,व आगरा नगर निगम हेतु म्युनिसिपल बांड निर्गत करने तथा अवस्थापना विकास निधि से क्रेडिट रेटिंग म्दींदबमउमदज के लिए धनराशि उपलब्ध कराए जाने पर अनुमोदन प्राप्त किये जाने के सम्बंध में मंजूरी। टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से प्रदेश के 62 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानो का उन्नयन, व 5 सेंटर फॉर इनोवेशन,इंवेंनशन, इन्क्यूबेशन एंड ट्रेनिंग की स्थापना किये जाने के सम्बंध में प्रस्ताव को मंजूरी। प्रदेश के असेवित जनपद हाथरस,बागपत, व कासगंज में भारत सरकार की वायबिलिटी गैप फंडिंग के

● सीएम योगी समेत 54 मंत्रियों ने संगम में लगाई डुबकी
● आस्था के आगे सर्दी दिखा बेअसर

अंतर्गत पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज सन्चालित किये जाने हेतु सफल निविदादाता का चयन किये जाने के सम्बंध में प्रस्ताव को मंजूरी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बलरामपुर की स्थापना हेतु 166 बेडेड राजकीय संयुक्त चिकित्सालय बलरामपुर को चिकित्सा शिक्षा विभाग के पक्ष में निःशुल्क हस्तातंरण किये जाने व जनपद बलरामपुर में स्थापित किये जा रहे झळडन् के सेटेलाइट सेंटर को स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बलरामपुर में परिवर्तित किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना अंतर्गत निःशुल्क स्मार्टफोन वितरण हेतु योजनांतर्गत अंतिम बिड अभिलेख के संबंध में प्रस्ताव स्वीकृत। उप्र औद्योगिक निवेश व रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 के अंतर्गत प्रदेश में मेगा श्रेणी की आद्योगिक इकाइयों हेतु विशेष सुविधाएं एवं रियायतें अनुमन्य कराए जाने विषयक शासनादेश,मुख्य सचिव द्वारा अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय प्राधिकृत समिति बैठक में की गई संस्तुतियों पर अनुमोदन प्रस्ताव को मंजूरी। फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एवं फॉर्च्यून 500 कंपनियों के निवेश हेतु प्रोत्साहन नीति 2023 में अनुमन्य फ्रंट एंड लैंड सब्सिडी प्राविधान के अंतर्गत मेसर्स अशोक लीलैंड लिमिटेड को आवंटित भूमि हेतु यूपीसीडा को देय सब्सिडी धनराशि के भुगतान की स्वीकृति के सम्बंध में इम्पावर्ड कमेटी की बैठक की संस्तुतिध निर्णय को अनुमोदन प्राप्त किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी। उत्तरप्रदेश एयरोस्पेस तथा रक्षा इकाई एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2024 को मंजूरी।

'बेटी बचाओ' के नाम पर बेटियों के साथ हो रहा है छल : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का 'बेटी बचाओ नारा' देश की बेटियों के साथ छलावा है और इसके तहत बेटियों की सुरक्षा के लिए केंद्र से आवंटित धनराशि का प्रचार प्रसार में इस्तेमाल किया जा रहा है। खरगे ने कहा कि 'बेटी बचाओ नारा' के लिए जो राशि केंद्र सरकार से आवंटित हुई है, उसका 80 फ़ीसदी विज्ञापनों पर खर्च किया गया और जब संसदीय समिति ने इसको पकड़ा तथा इस असलियत का खुलासा करते हुए इस पर सवाल उठाए तो आनन फानन में दूसरी मदों से पैसा समाहित कर 'बेटी बचाओ' कार्यक्रम पर लीपा पोती करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा, "बेटी बचाओ के दस साल, मोदी जी से हमारे तीन सवाल–'बेटी बचाओ' की जगह 'अपराधी बचाओ' की नीति भाजपा ने क्यों अपनाई। मणिपुर की महिलाओं को न्याय कब मिलेगा। हाथरस की दलित बेटी हो या उन्नाव की बेटी, या फ़िर हमारी चौंपियन महिला पहलवान, भाजपा ने हमेशा अपराधियों को संरक्षण क्यों दिया। दूसरा , क्यों देश में हर घंटे महिलाओं के ख़लिफ़ 43 अपराध रिकॉर्ड होते हैं। हर दिन 22 अपराध ऐसे हैं जो हमारे देश के सबसे कमज़ोर दलित–आदिवासी वर्ग की महिलाओं और बच्चों के ख़लिफ़ दर्ज होते हैं। मोदी जी लाल क़िले के भाषणों में कई बार महिला सुरक्षा पर बोल चुके हैं, पर कथनी और करनी में फ़र्क क्यों। तीसरा, क्या कारण है कि 2019 तक 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के

लिए आवंटित कुल धनराशि का क़रीब 80 प्रतिशत केवल मीडिया–विज्ञापन में ख़र्च हुआ है।" उन्होंने कहा, "जब संसदीय स्थायी समिति ने ये तथ्य उजागर किया, तब इस योजना में इस्तेमाल किये गए फंड में 2018–19 से 2022–23 तक 63 प्रतिशत की भारी कटौती की गई और बाद में इसको 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत 'संबल' नामक स्कीम में मिला कर के, 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना पर खर्च किये आँकड़े ही मोदी सरकार ने देने बंद कर दिए।

नीतीश कुमार ने भाजपा को दिया बड़ा झटका, सरकार से जेडीयू ने वापस लिया समर्थन

मणिपुर, एजेंसी। एक बड़े राजनीतिक बदलाव में, जनता दल (यूनाइटेड) ने आधिकारिक तौर पर मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है। इस फैसले से राज्य विधानसभा में पार्टी का एकमात्र विधायक विपक्षी दल में शामिल हो गया है। हालांकि इस घटनाक्रम से सरकार की स्थिरता पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन यह एक कड़ा संदेश है क्योंकि जेडीयू केंद्र और बिहार में बीजेपी की प्रमुख सहयोगी है। यह घटनाक्रम कॉनराड संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी, जो मेघालय में सत्ता में है, के बीरेन सिंह सरकार से समर्थन वापस लेने के महीनों बाद आया है। मणिपुर में 2022 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने छह सीटें जीतीं, लेकिन चुनाव के कुछ महीनों बाद, पांच विधायक भाजपा में चले गए, जिससे सत्तारूढ़ दल की संख्या मजबूत हो गई। 60 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल बीजेपी के 37 विधायक हैं. इसे नागा पीपुल्स फ्रंट के पांच विधायकों और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है, जिससे इसे आरामदायक बहुमत मिल गया है। मणिपुर की जदयू इकाई के प्रमुख केश बीरेन सिंह ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को पत्र लिखकर घटनाक्रम की जानकारी दी है।

उन्नाव रेप केसः कुलदीप सिंह सेंगर को राहत, दिल्ली हाईकोर्ट ने मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने निष्कासित भाजपा के पूर्व विधायक और उन्नाव रेप केस में आरोपी कुलदीप सिंह सेंगर को 24 जनवरी को एम्स में मोतियाबिंद सर्जरी कराने के लिए अंतरिम जमानत दे दी। उन्हें 27 जनवरी को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है। वह इस मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। इससे पहले कोर्ट ने सेंगर को चिकित्सा आधार पर दी गई अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने से सोमवार को इनकार कर दिया था। राजनीतिक नेता को 20 जनवरी को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन वह बलात्कार के मुख्य मामले में खंडपीठ से राहत पाने में असफल रहा, क्योंकि यह पाया

गया कि जमानत विस्तार के लिए उसका आवेदन पीड़िता को नहीं दिया गया था। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शालिन्दर कौर की पीठ ने कहा, उसे हिरासत में लिया जाए। बलात्कार पीड़िता के वकील ने आरोप लगाया कि उन्हें केवल शीघ्र सुनवाई की मांग वाला एक आवेदन दिया गया था। इसके बाद, पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत से संबंधित मामले में न्यायमूर्ति विकास महाजन ने कहा कि खंडपीठ के रुख को देखते हुए, इस मामले में अंतरिम राहत बढ़ाने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। न्यायाधीश ने कहा, यदि खंडपीठ ने इनकार कर दिया है, तो इससे कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। आप आत्मसमर्पण कर दीजिए। सेंगर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने न्यायमूर्ति महाजन से कहा कि वह शाम को अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर देंगे। बलात्कार के मुख्य मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे सेंगर को पिछले साल दिसंबर की शुरुआत में उसके स्वास्थ्य के आधार पर दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दी गई थी। बाद में राहत को एक और महीने के लिए बढ़ा दिया गया था। सेंगर ने 2017 में नाबालिग लड़की को अगवा कर उसके साथ बलात्कार किया था। एक अगस्त, 2019 को उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर बलात्कार का मामला और अन्य संबंधित मामले को सुनवाई के लिए उत्तर प्रदेश से दिल्ली स्थानांतरित कर दिया गया था।

आप-दा वाले कह रहे फिर आएंगे... लोग ऊब कर कह रहे हैं ये फिर खाएंगे

दिल्ली में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चुनाव में लगे कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली संवाद किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के सभी साथियों को मेरा नमस्कार। दिल्ली के आप सभी बूथ कार्यकर्ताओं से बात करना मेरे लिए बहुत ही खुशी का अवसर है। क्योंकि सालों तक मुझे इस काम में बड़ा आनंद रहा है और स्वाभाविक है कि ऐसे कार्यक्रम का मैं हमेशा इंतजार करता रहता हूं। हजारों बूथ कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से ढेर सारे सुझाव रखे हैं। नमो एप के माध्यम से भी हजारों सवाल आए हैं। 'मेरा बूथ–सबसे मजबूत' केवल एक कार्यक्रम नहीं है। ये भाजपा की जीवंतता, भाजपा की जड़ों की ताकत और जिन जड़ों से भाजपा का विस्तार हुआ है, उसके मूल में आप सब कार्यकर्ताओं ने जिसे अपना जीवन मंत्र बनाया है, वो है 'मेरा बूथ–सबसे मजबूत'। पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली के बूथ स्तर के भाजपा कार्यकर्ता की क्या ताकत है, ये किसी से छुपा

नहीं है। इस बार आपने दिल्ली के हजारों बूथ जीते, तब जाकर सातों सीटों पर भाजपा विजयी हुई है। मुझे पक्का विश्वास है कि दिल्ली में ये जो संगठन की ताकत है, हर बूथ पर तीन–तीन, चार–चार पीढ़ी के कार्यकर्ता हैं, यही शक्ति इस बार विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को प्रचंड विजय दिलाएगी। मुझे विश्वास है कि अपने–अपने बूथ पर आप जो मेहनत कर रहे हैं, उसके चलते आप भारी विजय प्राप्त करने ही वाले हैं। इस चुनाव में सिर्फ विजय काफी नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि हर बूथ 2 लक्ष्य तय कर सकता है

1 – मतदान के सारे रिकॉर्ड तोड़ेंगेरू पिछले 10 साल में जितना मतदान हुआ है, उससे ज्यादा मतदान हमारे बूथ में होगा।

2 – मामूली विजय नहीं रू हर बूथ पर भाजपा को 50: से ज्यादा वोट कैसे मिले, इसके लिए बूथ में रहने वाले सभी नागरिकों का दिल जीतना है, उनकी दुआएं लेनी है।

भाजपा की जीत पक्की करने के लिए दिल्ली की जनता पक्के निर्णय के साथ निकल पड़ी है। साथियों आपको 5 फरवरी को दिल्ली के लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पोलिंग बूथ तक पहुंचाना है।

केजरीवाल सरकार ने किया 382 करोड़ रुपये का स्वास्थ्य घोटाला : माकन

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता अजय माकन ने बुधवार को आरोप लगाया कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में 382 करोड़ रुपये के बड़े भ्रष्टाचार घोटाले में शामिल है। एक संवाददाता सम्मेलन में

बोलते हुए माकन ने दावा किया कि आप सरकार, जिसने अक्सर सीएजी (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) रिपोर्टों के आधार पर कांग्रेस सरकार की आलोचना की है, अब अपने कार्यकाल के तहत 14 सीएजी रिपोर्टों में गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रही है। माकन ने एक विशिष्ट सीएजी रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़े घोटाले का खुलासा हुआ। माकन के अनुसार, रिपोर्ट में अस्पतालों के निर्माण में अनियमितताओं की ओर इशारा किया गया है, जिसमें कहा गया है कि परियोजनाओं को समय से पहले पूरा करने और पैसे बचाने के आप के वादे के बावजूद, पिछले दशक में केवल तीन नए अस्पताल बनाए गए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों अस्पताल–इंदिरा गांधी अस्पताल, बुराड़ी अस्पताल और मौलाना आज़ाद डेंटल अस्पताल–कांग्रेस सरकार के तहत शुरू किए गए थे। माकन ने कहा, इंदिरा गांधी अस्पताल में पांच साल की देरी हुई, बुराड़ी अस्पताल में छह साल की देरी हुई और मौलाना आजाद डेंटल अस्पताल में तीन साल की देरी हुई।

इस्राइली मशीनगन से लेकर अमेरिकी स्नाइपर राइफल तक, मेले में देखिए पुलिस की ताकत

प्रयागराज। क्या आपको मालूम है कि उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते के पास इस्राइल की ग्लॉक 17 मशीनगन है। बिना मूव किए ही इस हाईटेक गन के जरिये चारों दिशाओं में दुश्मनों को ढेर किया जा सकता है। इसी तरह अमेरिका में बनी स्नाइपर राइफल भी है। इससे 1.8 किमी की दूरी पर स्थित दुश्मन को भी मार गिराया जा सकता है। यूपी पुलिस की ऐसी कई ताकतों को करीब से देखने और जानने का मौका महाकुंभ में मिल रहा है। त्रिवेणी मार्ग स्थित पुलिस गैलरी में अत्याधुनिक हथियारों, सुरक्षा उपकरणों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश पुलिस की विभिन्न इकाइयों की कार्यप्रणाली का भी प्रदर्शन किया गया है। दो दिन पहले ही मुख्यमंत्री योगी ने गैलरी का उद्घाटन किया है। गैलरी में पुलिस इकाइयों की कार्यप्रणाली और उनके पास मौजूद हाईटेक हथियारों व सुरक्षा उपकरणों के साथ तीन नए कानून के बारे में भी जानकारी दी गई है। गैलरी में प्रवेश करते ही अभियोजन निदेशालय ने अपनी कार्यप्रणाली व उपलब्धियों को दर्शाने वाला कॉर्नर बनाया है तो इसके ठीक बगल में कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं के कॉर्नर में कारागार में होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई है। इन्हीं से सटे तीन अलग-अलग कॉर्नर में न्यायालय, प्रशिक्षण निदेशालय और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) ने अपने काम करने के तरीकों और उपकरणों का प्रदर्शन किया है। इसके बाद बारी आती है एसटीएफ और एटीएस के कॉर्नर की। यहां दोनों इकाइयों की ओर से उन हाईटेक हथियारों का प्रदर्शन किया गया है, जिसका उपयोग दोनों एजेंसियां काउंटर ऑपरेशन के दौरान करती हैं। इनमें इस्राइल ग्लॉक मशीनगन के साथ अमेरिकी स्नाइपर राइफल, रूस की एक-47 एसॉल्ट गन, ऑस्ट्रियाई ग्लॉक-17 पिस्टल के अलावा स्वदेशी कंपेक्ट ग्रेनेड रॉकेट लांचर और मोर्टार लांचर आदि शामिल हैं। इसी तरह यातायात निदेशालय, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, पुलिस थाना, सोशल मीडिया सेंटर, पुलिस तकनीकी सेवाएं और विधि विज्ञान प्रयोगशाला आदि इकाइयों के बारे में भी बताया गया है। गैलरी के पुलिस दूरसंचार इकाई के कॉर्नर में आने पर वर्तमान महाकुंभ में इस्तेमाल होने वाली मोबाइल संचार व्यवस्था का मॉडल देखने को मिलता है। इसके साथ ही 86 वर्ष पुरानी संचार व्यवस्था के मॉडल को देखकर यह जानकारी मिलती है कि 1938 में पहली बार हरिद्वार कुंभ में तीन हाथियों पर उपकरण बांधकर वायरलेस टेक्नोलॉजी पर आधारित मोबाइल संचार व्यवस्था का इस्तेमाल करने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य था। गैलरी में अग्निशमन इकाई के अंतर्गत आने वाले सुरक्षा विभाग का काउंटर भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां उन हाईटेक उपकरणों को दर्शाया गया है जो वीवीआईपी के अलावा महत्वपूर्ण धार्मिक सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इनमें एएस चेक व बम डिस्पोजल स्क्वॉड की की ओर से इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को दर्शाया गया है। इनमें से बंदूक जैसा दिखने वाला वाटर जेट डिसरप्टर भी है। इसकी खासियत यह है कि किसी भी संदिग्ध सूटकेस बैग या बक्से के मिलने पर यह उसे बिना छुए नष्ट कर सकता है।

कुंभ की गलियों में गूगल भी रास्ता भूला, सेक्टर का गणित समझिए ताकि न हो परेशानी

प्रयागराज। मौनी अमावस्या के स्नान की तारीख करीब है और श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में पुलिस प्रशासन प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या में बदलाव के आधार पर मार्ग को खोलने और बंद करने का काम कर रहा है। इससे हो यह रहा है कि जिन लागों को जानकारी नहीं है वो गूगल मैप का प्रयोग कर रहे हैं और रास्तों के जाल में उलझ जा रहे हैं। इसके साथ ही उन लोगों को भी और असुविधा का सामना करना पड़ रहा है जो लोग पांटून पुल पर होते हैं। वहां से लोकेशन में मैप का प्रयोग करने पर कई बार दिखाता है कि आप नदी में है। ऐसा ही एक अनुभव त्रिवेणी संकुल, मेला सर्किट हाउस को लेकर हुआ। रास्ता जहां का गूगल मैप में आ रहा था उससे आधा किलोमीटर पहले दूसरी दिशा में यह स्थित था। मैप खोलने के बाद भी हमें वहां पहुंचने के लिए सुरक्षाकर्मियों की सहायता लेनी पड़ी। इतना ही नहीं इस बार 2750 एआई आधारित सीसीटीवी कैमरों का प्रयोग किया गया है। इन कैमरों के माध्यम से पुलिस को इस बात की भी जानकारी लग जाती है कि किस ओर भीड़ ज्यादा है और यह पुलिस कंट्रोल रूम को अलर्ट भेज देते हैं। जिससे भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिल सके। लेकिन इन सब के बीच में एक आम श्रद्धालुओं को काफी परेशान हो रही है। कई बार गूगल मैप भी सही राहों की जानकारी नहीं दे पा रहा है। इस वजह से कई किलोमीटर पैदल चलने वालों को एक अजीब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। गूगल ने पहली बार किसी अस्थायी नगर के लिए नेविगेशन सुविधा देने का निर्णय लिया है, लेकिन इसे और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। यह सुविधा 4000 हेक्टेयर में फैले महाकुंभ मेले में उपलब्ध कराई जा रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अभी तक करीब 9 करोड़ लोग महाकुंभ में स्नान का लाभ उठा चुके हैं। यह भी दावा किया जा रहा है कि मौनी अमावस्या पर 8 से 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। ऐसे में रास्तों की सही जानकारी लोगों को काफी परेशानियों से बचा सकती है। अभी जो व्यवस्था लागू है उसके अनुसार संगम मेला क्षेत्र के लिए जवाहरलाल नेहरू मार्ग (जिसे काली सड़क के नाम से जाना जाता है) का प्रयोग किया जा रहा है। वहीं निकास के लिए त्रिवेणी मार्ग का प्रयोग किया जा रहा है।

हमारा उद्देश्य बरसाना नगर पंचायत क्षेत्र को गार्बेज फ्री बनाना: ब्रांड एंबेसडर -आशा उन्नयन संस्थान ने सफाई कर्मचारियों को किया प्रशिक्षित

मथुरा। बरसाना नगर पंचायत के ब्रांड एंबेसडर व पूर्व जेल विजिटर लक्ष्मण प्रसाद शर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष अभियान स्वच्छ भारत मिशन अर्बन 02 के तहत बरसाना नगर पंचायत क्षेत्र को गार्बेज फ्री बनाना ही हमारा उद्देश्य है। श्री शर्मा नगर पंचायत कार्यालय के प्रांगण में चेयरमैन श्रीमती विजय सिंह की अध्यक्षता में लखनऊ की आशा उन्नयन संस्थान द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम को

संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा हमारे सफाई नायक विशेष वैन के माध्यम से डोर टू डोर गार्बेज कलेक्शन कर रहे है। इसमें नगरवासियों का हमारी सफाई टीम को सहयोग मिल रहा है। इसी सहयोग के बल ही बरसाना नगर पंचायत क्षेत्र शीघ्र ही गार्बेज फ्री बनकर उत्तर प्रदेश में अपना स्थान प्राप्त करेगा। अधिशाषी अधिकारी डॉ कल्पना बाजपेई ने जानकारी देते हुए बताया क्षेत्रफल की दृष्टि से बरसाना नगर पंचायत जनपद की सबसे बड़ी पंचायत है। जिसमें 17 वार्ड है। इन वार्डो की सफाई के लिए आपके आशीर्वाद करीब एक दर्जन वाहन एवं एक सौ पचास के करीब ही सफाई कर्मचारी हैं। जो कि बड़ी ही मेहनत के साथ सफाई व्यवस्था को दुरस्त बनाने में जुटे हुए है। उन्होंने कहा कि हमारे चेयरमैन प्रतिनिधि पदम फौजी नगर क्षेत्र के प्रत्येक प्वाइंट के नियमित रूप से विजिट भी करते है। और वे स्वयं भी प्रतिदिन सफाई नायक से प्रत्येक प्वाइंट की वीडियो कॉल के द्वारा रिपोर्ट लेती है। आशा उन्नयन संस्थान की अध्यक्ष अंजली श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश के नगर विकास विभाग निदेशालय के स्वच्छ भारत मिशन नगरीय 02 के अंतर्गत संस्था बरसाना नगर पंचायत के सफाई कर्मचारी एवं सफाई नायको को सॉलिड एवं लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट क्षेत्र को स्वच्छ सर्वेक्षण टूलकिट पर एक दिवसीय क्षमता संवर्धन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत कार्यशाला का आयोजन कर सफाई व्यवस्था से जुड़े बहन भाइयों को बारीकी से समझाया गया है। इस मौके स्वच्छ भारत मिशन के जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय प्रताप सिंह ने कहा कि शासन का ध्येय नगर निकायों को आत्म निर्भर बनाना है। हम नगर से निकलने वाले कचरे से जैविक खाद एवं पुष्ट प्लास्टिक एवं लोहे आदि से आय बढ़ाकार आत्म निर्भर बनना है। इस मौके पर गौरव शर्मा,सफाई नायक प्रकाश यादव,सन्नी आदि मौजूद रहे।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले : विराट पुरुष का विग्रह है विश्व, नदियां हैं इसकी नाड़ियां

प्रयागराज। परम धर्म संसद में गंगा आदि नदियों पर विचार विषय पर ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि सिद्धांत के अनुसार हमारा शरीर ब्रह्मांड का प्रतीक है। यह विश्व विराट पुरुष का ही विग्रह है और नदियां उस विराट पुरुष के शरीर की नाड़ियां है। उन्होंने कहा कि जैसे कोई भी शरीर के अंदर की नसों-नाड़ियों के सूख जाने या विकृत हो जाने से विकल हो जाता है। ठीक उसी तरह हमारी नदियों के सूखने या प्रदूषित हो जाने से विश्व का विकल होना स्वाभाविक है। इसलिए विश्व को बचाने के लिए हमें नदियों के जीवन और जल को सुरक्षित रखना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए यथा संभव नदी-नालों को अलग रखना, धारा को अविरल रखना, तटबंध पर विराजे पेड़-पौधों की सुरक्षा करना आवश्यक है। नदी की भूमि, जल-जन्तु और वनस्पतियाँ आदि का मालिकाना हक नदियों का है। कहा कि आवश्यक है कि हम और हमारी सरकारें इस हक को न छीनें। नदियां स्वयं में इतनी समर्थ हैं कि यदि उनकी संपत्ति उन्हीं की रहे तो सरकारों को नदियों के लिए बजट नहीं देना होगा, अपितु नदियां अपना और अपने किनारे पर बसे लोगों का पालन-पोषण स्वयं कर सकेंगी। सोनम ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की संसद में एक सीट प्रकृति और जीव जन्तुओं के लिए भी होना चाहिए।

संगम की रेती पर आला आला अफसरों का कल्पवास, कर रहे नियमों को पालन

प्रयागराज। महाकुंभ में जीवन की बिगड़ी बनाने और पुण्य कमाने की होड़ में अफसर भी पीछे नहीं हैं। संगम की रेती पर कई आला अफसर कल्पवास कर रहे हैं। इनमें कई डीएम से लेकर मुख्य सचिव स्तर तक के अधिकारी हैं। दो दर्जन से अधिक आईएएस, आईपीएस इन दिनों संकल्पित होकर कल्पवास कर रहे हैं। सेवानिवृत्त अधिकारियों की संख्या इनमें अधिक है। वह अपने परिजनों, रिश्तेदारों के साथ संगम की रेती पर लगे शिविरों में रहकर संगम में डुबकी के बाद दिन भर घर-परिवार से लेकर समाज तक के मंगल के लिए जप, तप और ध्यान कर रहे हैं। संगम की रेती पर ड्यूटी के लिए आए अफसर भी इस अवसर को हाथ से नहीं जाने देना चाहते। वह ड्यूटी के साथ कठिन अनुशासन से बंधकर कल्पवास कर रहे हैं। कल्पवास के दौरान यह अफसर नियमों का पालन करते हुए संकल्प लेकर एक महीने तक संगम तट पर जप-तप, ध्यान, पूजा-पाठ और गंगा स्नान करने में जुटे हैं। बीते वर्षों में यूपी के मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए आईएएस अफसर राजेंद्र तिवारी भी कल्पवास करेंगे। इसके लिए उन्होंने मोरी-मुक्ति मार्ग स्थित क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान के शिविर में महाराजा कॉटेज आरक्षित कराया है। वह यहां अपने परिवार के सदस्यों के साथ संगम में डुबकी लगाकर कल्पवास करेंगे। इसी तरह वाराणसी समेत कई जिलों के डीएम और मंडलायुक्त रहे एके उपाध्याय भी कल्पवास करेंगे। उनके लिए भी इसी शिविर में कॉटेज बुक है। आईएएस अधिकारी सर्वज्ञ राम मिश्र के अलावा पूर्व आईएएस अफसर सत्येंद्र सिंह भी कल्पवासी के कठिन अनुशासन को अपना रहे हैं। संगम लोअर मार्ग पर भूमा निकेतन हरिद्वार के शिविर में कल्पवास कर रहे वीडीए के पूर्व संयुक्त सचिव सतीश चंद्र मिश्र बताते हैं कि महीने भर पौष पूर्णिमा से माघी पूर्णिमा तक कल्पवास की अवधि में सत्य वचन ही बोलने का संकल्प लिया है। पूरी तरह अहिंसा का पालन कर रहा हूं। इंद्रियों पर पूरी तरह नियंत्रण रखना, दया करना और व्यसनों का पूरा तरह त्याग करना कल्पवास के नियमों में शामिल है। इसी तरह विंध्याचल मंडल, देवीपाटन मंडल समेत कई मंडलों में मंडलायुक्त रहे योगेश्वरराम मिश्र भी सतुआ बाबा के शिविर में कल्पवास करेंगे।

बहुत कुछ कहती हैं संगम नगरी की दीवारें और भी कुछ बोलें इसकी तैयारी में 'आरती'

प्रयागराज। जब आप संगम नगरी में होते हैं तो आपको कई जगह ऐसे बच्चे दिख जाते है जो अभी भी संगम नगरी को दीवारों को सुंदर बनाने में लगे हुए हैं। सड़क पर चलते हुए मेरी मुलाकात एक बच्ची से हुई। जब मैं उसके पास गया तो वह बड़ी तल्लीनता से अपने काम को करती नजर आई। मैं उससे पूछा बेटा आपका नाम क्या है तो उसने बताया कि आरती। उसके साथ कई और बच्चे भी थे जो इस काम में लगे हुए थे। उन्होंने बताया कि वो इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में फाइन आर्ट की छात्राएं हैं। लेकिन आरती उन सबके साथ तो थी लेकिन वह फाइन आर्ट की छात्रा नहीं थी उसे बस इस काम को करना अच्छा लगता है। अन्य बच्चों में जया, दीपिका और उनका एक साथी अखिलेश भी था। आरती बात करते हुए जितनी उत्साहित नजर आई उससे उसके काम करने की क्षमता का भी अंदाजा लग गया। उसने बताया कि उसे ये काम करना पसंद है और इससे कुछ पैसे भी मिल जाते हैं जो घर के काम आ जाते हैं। मैंने पूछा आपको इस काम के किस प्रकार से पैसे मिलते हैं? इस पर आरती का कहना था कि हमें तो ठेकेदार ने ने यह काम दिया है। हमें 15 रुपये स्क्वायर फीट के हिसाब से पैसे मिलते हैं। मैंने उससे अगला सवाल किया कि वो दिनभर में कितने रुपये का काम वो कर लेती है। इस पर उसका उत्तर था लगभग 1000 रुपये तक का। इसके बाद उसने बताया कि वो प्रयागराज की ही रहने वाली है। उसे कुंभ का मेला बहुत अच्छा लगता है। मैंने उससे पूछा कि यह जो कलर आपको दिए गए हैं ये कहां से आते हैं। इस पर आरती का कहना था कि ये उन्हें ठेकेदार देते हैं। ये ऐसे कलर हैं कि इनको एक दो साल तक कुछ नहीं होगा। प्रयागराज में इस समय देशभर से आए कलाकार दिन-रात सनातन धर्म से जुड़े प्रतीकों को दीवारों पर उकेर रहे हैं। 10 लाख स्क्वायर फीट से भी बड़े क्षेत्र में महाकुंभ-2025 के लिए पेंटिंग्स तैयार की जा रही हैं। फाइन आर्ट्स के स्टूडेंट्स के अलावा कुछ मूक-बधिर युवा भी दीवारों को रंगीन बनाने का काम कर रहे हैं। जब आप प्रयागराज में आते हैं तो नटराज की नृत्य करती मुद्राएं भी आपको नजर आ जाएंगी। वर्ष 2019 में अर्द्ध कुंभ के दौरान भी हजारों छात्रों, आम नागरिकों और पेंटर्स ने 8 घंटे तक लगातार वॉल पेंटिंग पर हाथों के रंग-बिरंगे छाप से श्‍जय गंगेश थीम की पेंटिंग बनाई थी, जो गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड दर्ज हुआ था।

मौनी अमावस्या पर हजारों विदेशी भक्तलगाएंगे संगम में डुबकी, 29 जनवरी को होगा अमृत स्नान

प्रयागराज। महाकुंभ नगर में 29 जनवरी को होने जा रहे मौनी अमावस्या के अमृत स्नान में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए 10 करोड़ लोगों के पावन त्रिवेणी के तट पर पहुंचने का अनुमान है। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या का अमृत स्नान होगा। मेला प्रशासन के दावे के मुताबिक इस स्नान पर्व में 7 से 10 करोड़ के बीच श्रद्धालुओं और पर्यटकों के महाकुंभ पहुंचने का अनुमान है, जिसे लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रशासन के साथ साथ साधु संतों के शिविरों में भी इस पावन अवसर पर अमृत स्नान के लिए आने वाले भक्तों के लिए व्यवस्था की जा रही है। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी शैलेशानंद गिरि बताते हैं कि अकेले उनके शिविर में इस पुण्य पर्व पर फ्रांस, इटली, जापान और रूस से पांच हजार से अधिक विदेशी भक्तों के लिए व्यवस्था की जा रही है। पायलट बाबा के ये सभी भक्त 24 जनवरी से पहुंचने लगेंगे। विश्व बंधुत्व का भाव भारतीय संस्कृति का मूल है जिसमें सभी तरह के भेद और विचारों का शमन हो जाता है। सनातन के गर्व, महाकुंभ पर्व पर शांति, मुक्ति और सद्भाव की त्रिवेणी प्रवाहित हो रही है। प्रयागराज महाकुंभ में पायलट बाबा के शिष्य महा मंडलेश्वर स्वामी विष्णुदेवानंद जी के शिविर में इसकी एक अद्भुत झलक देखने को मिल रही है। यहां युद्धरत देशों यूक्रेन और रूस के नागरिक एक ही मंच पर एक साथ अपने गुरु के सानिध्य में विश्व शांति के लिए शिवनाम का जाप कर रहे हैं। रूस के नागरिक एंड्री बताते हैं कि पहली बार वह त्रिवेणी संगम आए हैं, यहां इतने सारे लोगों को एक साथ देखकर आंखों को यकीन दिलाना मुश्किल है। गंगा में डुबकी लगाना एक रहस्य जैसा अनुभव है। एंड्री कहते हैं कि वह भगवान शिव के भक्त हैं और इसलिए वह विश्व की शांति की कामना के लिए अपने गुरु के चरणों में प्रार्थना करते हैं, सभी भेद अब मिट गए हैं। वहीं, यूक्रेन से आए ओली सिमोवा भी स्वामी विष्णुदेवानंद जी के शिविर में रूसी नागरिक एंड्री के साथ मिलकर शिवनाम का जाप करते हैं। सिमोवा बताते हैं कि दस साल से वह इंडिया आ रहे हैं।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने लगाई संगम में डुबकी, तैयारियों का लिया जायजा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने बुधवार को गंगा-यमुना और सरस्वती के संगम में डुबकी लगाई। इसके बाद उन्होंने भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ ही मां गंगा की पूजा आराधना की। दर्शन करने के बाद उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ भ्रमण कर मेले में सुरक्षा का जायजा लिया। उनका ज्यादातर जोर जल पुलिस और डूबने से बचाने वालों और महाकुंभ में आग से बचाव और इसके प्रति जागरूकता पर रहा। जीवनदायिनी माँ गंगा की कृपा से समस्त श्रद्धालुओं की साधना सुगमता और सुरक्षा पूर्वक संपन्न हो, उनकी आध्यात्मिक अपेक्षाओं को पूर्णता की प्राप्ति हो, यही प्रार्थना है।माँ गंगा का आशीर्वाद संपूर्ण सृष्टि पर बना रहे, सभी के मनोरथ पूर्ण हों।

महाकुंभ में पहली बार दिखाई जाएगी यह एनिमेटेड फिल्म, जानें कब और कहां होगी इसकी स्क्रीनिंग

प्रयागराज। भव्य और दिव्य महाकुंभ में इस बार कई नई पहल की जा रही हैं। इसी क्रम में महाकुंभ मेले के इतिहास में पहली बार किसी एनिमेटेड फिल्म का प्रदर्शन होने जा रहा है। महाकुंभ मेले में एक ऐतिहासिक पहल के तहत इंडो-जापानी एनिमेटेड फिल्म 'रामायण - द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम' का हिंदी संस्करण प्रदर्शित किया जाएगा। यह विशेष स्क्रीनिंग मुख्य अतिथि और प्रदेश सरकार में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण की उपस्थिति में 22 जनवरी बुधवार को सुबह 10ः00 बजे दिव्य प्रेम सेवा शिविर, सेक्टर 6, नेत्र कुंभ के पास होगी। फिल्म भगवान श्रीराम की अद्वितीय गाथा, उनकी निष्ठा और अधर्म पर धर्म की विजय को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है। यह महाकुंभ मेले में बच्चों के लिए खास तौर पर आयोजित की जा रही है। आयोजनकर्ताओं के अनुसार, यह फिल्म परिवारों और हर आयु वर्ग के दर्शकों के लिए प्रेरणादायक और मनोरंजक होगी। यह फिल्म 24 जनवरी 2025 को देशभर में रिलीज की जाएगी। महाकुंभ में इसका प्रदर्शन इसे और अधिक विशेष बनाता है। इस अनुभव का आनंद लेने के लिए श्रद्धालु सुबह 10 बजे दिव्य प्रेम सेवा शिविर, सेक्टर 6 में आ सकते हैं।

आयरलैंड के सर्वर से चल रही होटल की फर्जी वेबसाइट, कंपनी ने ब्योरा देने से किया इन्कार

प्रयागराज। महाकुंभ में शहर के नामी होटलों में बुकिंग के नाम पर आए दिन पर्यटकों को ठगी को शिकार बनाया जा रहा है। होटल कान्हा श्याम के नाम से चल रही फर्जी वेबसाइट को लेकर साइबर पुलिस को अहम सुराग मिला है। पता चला कि यह इस वेबसाइट का सर्वर आयरलैंड से चल रहा है। हालांकि, साइबर पुलिस ने वेबसाइट का ब्योरा मांगा तो कंपनी ने देने से इन्कार कर दिया। 16 दिसंबर को होटल कान्हा श्याम के महाप्रबंधक रुपेश कुमार सिंह ने उनके होटल के नाम से फर्जी वेबसाइट ήदीीलंऊ.वजमसंसईंक.बवउ बनाकर बुकिंग करने पर सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज कराया था। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने आयरलैंड डोमेन कंपनी को मेल के माध्यम से पूछा था कि उक्त वेबसाइट किस नाम और किस शहर से संचालित हो रही है। साथ ही होस्ट करने वाले के बारे में भी जानकारी मांगी गई थी। लेकिन, कंपनी की ओर से सूचना देने से इन्कार कर दिया गया है। ऐसे में अब साइबर पुलिस गृह मंत्रालय की मदद से साइबर अपराधी का रिकॉर्ड खंगालेगी। ताकि होटल कान्हा श्याम के नाम पर चल रही फर्जी वेबसाइट के अपराधी को पकड़ा जा सके। वहीं, घटना के एक माह से अधिक समय के बाद भी होटल के नाम से बनी फर्जी वेबसाइट ήदीीलंऊ.वजमसंसईंक.बवउ चल रही है। साइबर पुलिस अफसरों का कहना है कि अन्य दर्जनों वेबसाइटों को बंद करवा दिया गया है। इस वेबसाइट को भी बंद करने की प्रक्रिया चल रही है। वहीं, साइबर पुलिस ने 15 और फर्जी वेबसाइटों को चिह्नित किया है, जिनके जरिये महाकुंभ में टेंट, होटल और लॉज बुक कराने के नाम पर श्रद्धालुओं को चपत लगाई जा रही है। साइबर पुलिस इनकी जांच कर रही है।

श्रद्धालुओं को राम नाम लेखन का ऋण दे रहा है श्रीराम बैंक, लेकिन कुछ शर्तों के साथ

प्रयागराज। यह बैंक है...मगर पैसों का लेनदेन नहीं करता। इसका नाम है, श्रीराम बैंक। यह श्रद्धालुओं को प्रभु राम का नाम लिखने के ऋण देने वाला बैंक है। अब तक यहां से करोड़ों राम नाम लिखने का ऋण दिया जा चुका है। यहां जमा करने से ज्यादा ऋण लेने की होड़ है। इस बैंक की शाखा मेला क्षेत्र के सेक्टर छह में 22 दिसंबर को खोली गई थी। इसके कर्ताधर्ता आशुतोष वार्ष्णेय बताते हैं कि यह बैंक करीब 150 वर्ष पुराना है। इसकी ईएमआई (मासिक किस्त) भी वसूली जाती है। इसका लेखा-जोखा भी रखा जाता है। आशुतोष बताते हैं कि न्यूनतम ऋण डेढ़ लाख का है। इसके आगे कितना ऋण लेना है, यह श्रद्धालु पर निर्भर है। राम नाम लिखन के लिए छपी-छपाई मुद्रित कॉपियां दी जाती हैं। इनके रिक्त खानों में ही प्रभु का नाम लिखना होता है। बुकलेट के हर पेज पर राम नाम की गणना भी दर्ज होती चलती है।

है अद्भुत संसार

(कुण्डलिया)

आयोजन को देखकर, बोले साधु- महन्त।
माघ माह है कुम्भ का,अद्भुत सर्द-वसन्त।
अद्भुत सर्द-वसन्त, करे उत्साहित उनको।
जिसके नाना रंग,प्रफुल्लित करते सबको।
सुन लो कहें प्रदीप,खिला है सबका जीवन।
जिसने किया नहान,कहा सुन्दर आयोजन। ।

कहीं फूस की झोपड़ी, कहीं धर्म-दीदार।
तम्बू और कनात का .है अद्भुत संसार।
है अद्भुत संसार, जहाँ भक्तों की टोली।
सुनती है दिन-रात,मधुर सन्तों की बोली।
सुन लो कहें प्रदीप, सत्य बिन ठौर नहीं।
याद रखो यह बात, माया को भूल वहीं।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

यमुना एक्सप्रेस-वे पर टोल कर्मियों के दुर्व्यवहार और अभद्रता के विरोध में किसानों

मथुरा। में भारतीय किसान यूनियन भानु के जिला सचिव मानसिंह चौधरी से मंगलवार को यमुना एक्सप्रेस–वे के मांट टोल प्लाजा पर स्थित टोल कर्मियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार और अभद्रता के विरोध में बुधवार को यमुनाएक्सप्रेस–वे के मांट टोल प्लाजा पर भारतीय किसान यूनियन भानु के सैकड़ों आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने टोल कर्मियों के दुर्व्यवहार व अभद्रता के खिलाफ जोरदार नारेबाजी प्रदर्शन किया। भाकियू भानु के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ बताया गया कि मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन भानु के जिला सचिव मानसिंह चौधरी यमुना एक्सप्रेस–वे से होकर बाजना से मथुरा जा रहे थे। तभी मांट टोल प्लाजा पर टोल कर्मियों ने भारतीय भानु के जिला सचिव मानसिंह चौधरी की गाडी को मैसेज होने के बाद भी रोक दिया। और उनसे दुर्व्यवहार करते हुए अभद्रता कर की गई। जब इस बात की जानकारी भारतीय किसान यूनियन भानु के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ और जिलाध्यक्ष देवेन्द्र पहलवान को लगी तो उन्होंने आज वुधवार को सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ टोल कर्मियों के द्वारा किए गए दुर्व्यवहार और अभद्रता के विरोध में टोल कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करते हुए जोरदार नारेबाजी प्रदर्शन किया गया। किसानों द्वारा नारेबाजी प्रदर्शन करने की जानकारी मांट टोल प्लाजा के मेनेजर और मांट टोल चौकी प्रभारी को लगी तो वह मौके पर पहुंचे। जहां टोल प्लाजा के मैनेजर ने सैकड़ों आक्रोशित किसानों द्वारा मांट टोल प्लाजा पर किए जा रहे प्रदर्शन को लेकर किसानों से बातचीत की और दोषी टोल कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही करने का आश्वासन देने और भविष्य में ऐसा न किए जाने का भरोसा दिलाया। तब जाकर किसान शांत हुए और आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने प्रदर्शन को समाप्त किया।

वहीं प्रदर्शन करने वालों में भारतीय भानु के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठैनुआ, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र पहलवान, राष्ट्रीय सचिव विजयपाल सिंह चौधरी, रोहतास, माधव तेहरिया, अंकित तेहरिया, जगदीश रावत, भगवान सिंह, सुरेन्द्र सिंह, गिरिराज सिंह हवलदार, अनिल सरपंच, किशनपाल सिह चौधरी, विष्णु चौधरी, छत्रपाल सिंह, रंजित चौधरी, भोलू पहलवान, मूला चौधरी, भूरा चौधरी, आदि कार्यकर्ताओं द्वारा यमुना एक्सप्रेस–वे पर टोल कर्मियों के दुर्व्यवहार और अभद्रता के विरोध में कार्यवाही की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी प्रदर्शन किया गया।

धर्म संसद 23जनवरी श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्तिके लिए जन जागरण शंखनाद होगा

दंडी स्वामी संतों ने निकाली कुंभ क्षेत्र में जन जागरण यात्रा

मथुरा।भगवान श्री कृष्ण की जन्म भूमि मथुरा को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए प्रयागराज कुंभ में आयोजित 23 जनवरी की धर्म संसद को सफल बनाने के लिए आज एक विशाल जन जागरण यात्रा कुंभ क्षेत्र प्रयागराज में निकाली गई भारी संख्या में उपस्थित दंडी स्वामियों ने संगम क्षेत्र स्थित हरिदास संप्रदाय के महंत महामंडलेश्वर राधा प्रसाद देव जू महाराज, ने जन जागरण यात्रा का शुभारंभ धर्म ध्वज को फहराकर किया, श्री कृष्ण जन्मभूमि केस के पक्षकार हिंदूवादी नेता दिनेश शर्मा ने कहा कि 23 जनवरी को होने वाली धर्म संसद के लिए सभी संतो ने आशीर्वाद दिया है। संपूर्ण संप्रदाय के महामंडलेश्वर, देवाचार्य, महंत, संत, एवं शंकराचार्य, धर्म संसद में पधार रहे हैं, मलूक पीठाधीश्वर जगतगुरु डॉ राजेंद्र दास जी महाराज धर्म संसद में श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति हेतु प्रस्तावना को रखेंगे, शंकराचार्य एवं महामंडलेश्वर इस प्रस्तावना का समर्थन करते हुए न्यायालय में एवं न्यायालय के बाहर जन जागरण के तहत किया जा रहे प्रयासों को आगे बढ़ाएंगे, जिसका सभी बिंदुओं के आधार पर साक्षर पालन होगा, श्री महंत सांवरिया बाबा, एवं महामंडलेश्वर भैया जी महाराज धर्म संसद संयोजक आचार्य रमाकांत गोस्वामी ने कहा कि अब बहुत समय नहीं है भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण की इच्छा से जन्मभूमि पूर्णतया मुक्त होगी क्योंकि न्यायालय सबूत के आधार पर फैसला देती है मुस्लिम पक्ष पर एक भी सबूत नहीं है अंततः विजय सत्य की ही होती है महंत मोहिनी बिहार शरण महाराज, धर्म संसद प्रभारी राजेश पाठक, ने बताया कि धर्म संसद में एक लाख से अधिक सतंजन, श्रद्धालु सनातनी, भाग ले सकते हैं, व्यवस्था के लिए पूर्ण इंतजाम किए गए हैं, पूरे दिन चलने वाली धर्म संसद को पांच चरणों में किया जा रहा है जिससे एक साथ अत्यधिक भीड़ न हो इस अवसर पर, लक्ष्मी नारायण आचार्य, ब्रज क्षेत्र संयोजक सुखराम सिंह, आचार्य सोनू शास्त्री, सयानंद सरस्वती, ब्रह्मचारी बाबा, रामदेव शास्त्री, अश्विनी पांडे, रेखा रानी मुखर्जी, आदि उपस्थित रहे।

आरेडिका में आयकर के संबंध में सेमिनार का आयोजन

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में दिनांक–22.01.2025 को आरेडिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आयकर के संबंध में जानकारी देने के उद्देश्य से आरेडिका के प्रधान मुख्य वित्त सलाहकार बीएल मीना के नेतृत्व में रायबरेली एवं सुल्तानपुर के आयकर अधिकारियों के सहयोग से एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में बृजेश राजौरिया आयकर अधिकारी टीडीएसध्सुल्तानपुर, प्रशांत कुमार आयकर अधिकारीध्रायबरेली एवं प्रतीक सिंह कसेरा आदि ने आयकर की कटौती, कर समय से जमा करना, टीडीएस स्टेमेंट्स को सावधानीपूर्वक समय से दाखिल करना एवं अनुचित आयकर रिफण्ड न लेना इत्यादि के बारे में विस्तार से बताया और ऐसा न करने पर आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत लगने वाली शास्तियों, अभियोजन आदि के संबंध में कर्मचारियों का ज्ञानवर्धन किया। इस सेमीनार में आरेडिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

नवागत डीएम से मिला उपज का पदाधिकारी प्रतिनिधि मंडल

मथुरा।उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट,मथुरा (उपज) के पदाधिकारी प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को नवागत जिला मुख्यालय पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। इस

दौरान उपज मथुरा के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल, जिला महासचिव ठाकुर विष्णु पहलवान, जिला कोषाध्यक्ष विपिन अग्रवाल,वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष यशवीर सिंह राघव, जिला संगठन मंत्री राजकुमार गुप्ता,वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष विजय सिंघल, जिला उपाध्यक्ष वी एस छौंकर, शैलेंद्र मिश्रा एवं उपज महिला प्रकोष्ठ से वरिष्ठ अधिवक्ता ऊषा सोलंकी,अधिवक्ता लक्ष्मी शर्मा आदि मौजूद रहे।

कुमार विश्वास ने सुनाई रामकथा, कहा- इच्छाओं को रखें काबू में... वरना शौक बदल जाते हैं गुनाहों में

प्रयागराज। जरा हल्के गाड़ी हांको, मेरे राम गाड़ी वाले... घनश्याम गाडी वाले कविता पर मंगलवार की शाम गंगा पंडाल भाव विभोर हो उठा। सामाजिक विद्रूपता को रेखांकित करतीं इन पंक्तियों के जरिये रामकथा मर्मज्ञ डॉ. कुमार विश्वास ने नई पीढ़ी के लोभ और अंहकार पर तंज कसा। उन्होंने नसीहत देते हुए कहा कि इच्छाओं को काबू में रखो, वरना शौक गुनाहों में बदल जाते हैं। लिहाजा, चकाचौंध के इस दौर में नई पीढ़ी अपने मन की चंचलता पर काबू पाने के लिए मन में राम को बसाए। ताकि, उनके जीवन की गाड़ी संभल–संभल कर चले। भारत सरकार और संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में महाकुंभ मेला क्षेत्र में आयोजित राम कथा श्अपने–अपने रामश्श में तीसरे दिन डॉ. कुमार विश्वास ने रावण–अंगद संवाद का वर्णन किया।कहा, जब रावण ने अंगद से कहा कि राम वनवासी और मैं लंकापति मेरी उनसे क्या तुलना है। कहां वो और कहां मैं। अंगद ने जवाब दिया... अंकल सही कहा अपने कहां आप और कहां वो। अंगद की ओर से व्यंग्यात्मक अंदाज में दिए गए जवाबों की काव्य प्रस्तुति से डॉ. विश्वास ने जमकर तालियां बटोरीं। उन्होंने भरत के प्रसंगों का भी उल्लेख किया। कहा कि भरत जैसा भाई पाने के लिए राम बनना पड़ता है। इससे पहले गंगा पंडाल में भारतीय सेना की ओर से सेना के संगीतकारों को श्रद्धांजलि दी गई। भारतीय सेना, जबलपुर के ग्रैंडियर्स रेजिमेंटल सेंट्रल बैंड और आर्मी एजुकेशन कॉर्प्स सेंटर एंड ट्रेनिंग के जवानों ने शुभारंभ में स्वागत गीत मंगलगान की धुन से वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर किया। कार्यक्रम की दूसरी कड़ी में असम गौरव और संगीत ज्योति जैसे पुरस्कार से अलंकृत शास्त्रीय नृत्य को देश–विदेश में पहचान दिलाने वाले रामकृष्ण तालुकदार ने देवदासी शीर्षक से महादेव व भगवान विष्णु को समर्पित नृत्य का प्रदर्शन किया। मंच संचालन डॉ. मानसी द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय की वरिष्ठ सलाहकार गौरी बसु, कार्यक्रम अधिशासी कमलेश कुमार पाठक समेत हजारों दर्शक मौजूद रहे।

दो छात्रों की हत्या से सहमा गया मथुरा

–हाईवे के समीप बीडए का पेपर देने निकले छात्र का मिला अधजला शव
–एक्सप्रेस वे के समीप राया क्षेत्र में बीए के छात्र का मिला शव

मथुरा। दो छात्रों की हत्या से मथुरा में सनसनी फैल गई। एक छात्र का शव यमुना एक्सप्रेस वे के समीप राया क्षेत्र में राया कट के पास बुधवार की सुबह मिला, जबकि दूसरे क्षेत्र का शव आगरा दिल्ली हाईवे के समीप मिला है। पुलिस दोनों ही घटनाओं के खुलासे में जुटी है। शव मिलने की सूचना पर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंच गये। फारेंसिक टीम को भी मौके पर बुला लिया गया। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सबूत जुटाये। मथुरा के थाना हाईवे क्षेत्र में मिले बीएड के छात्र के अधजले शव के मामले में जांच के लिए पुलिस की पाँच टीम काम कर रही हैं। छात्र घर से बी.एड का पेपर देने के लिए छाता से मथुरा आया था पेपर देने के बाद वह वापस नहीं लौटा। छात्र का तीन दिन बाद शव अलवर पुल के पास अधजला शव बरामद हुआ।

दोस्त की पार्टी में जाने की कहकर घर से गए बीए के छात्र की मथुरा में गला दबाकर हत्या कर दी गई। उसके शव को राया थाना क्षेत्र में मथुरा बरेली बाइपास स्थित गांव मल्हे के समीप सड़क किनारे फेंक दिया गया। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने शव को देखा तो पुलिस को सूचना दी।मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित कराए। मृतक के पास से एक मफलर मिला है। गले में चोट की निशान है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मांट थाना क्षेत्र के जनकपुरी गांव के रहने वाले रोहित कुमार बीएसएस कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष का छात्र था। मंगलवार रात को वह घर पर एक दोस्त के जन्मदिन की पार्टी में जाने की कहकर निकला। दोस्त को गिफ्ट में घड़ी देने के लिए पिता से 500 रुपये भी ले गए थे। बुधवार सुबह आठ बजे मथुरा बरेली बाइपास स्थित गांव मल्हे के समीप छात्र का शव सड़क किनारे पड़ा दिखाई दिया। पिता राजवीर ने बताया कि उनके बेटे रोहित के पास गांव के मनोज का फोन आया था। मनोज ही उसे किसी दोस्त की जन्मदिन की पार्टी में ले गया था। सुबह बेटे की हत्या की सूचना मिली। पुलिस ने मृत्यु का कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया है और विशेष टीम का गठन कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि एक युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा ।

जनपद को मिला 250 युवाओं को ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य

–डीएम ने ली मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की बैठक

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के संबंध में बैठक हुई संपन्न। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, उपायुक्त उद्योग रामेंद्र कुमार, डीसी मनरेगा विजय कुमार पाण्डेय, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अनिल कुमार, एल.डी.एम सहित जनपद में समस्त बैंकों के डीसी व मुख्य बैंको के शाखा प्रबंधक मौजूद रहे। डीएम ने बताया कि जनपद को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अंतर्गत 250 युवाओं को ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिन्हें 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर ऋण प्रादन किया जाएगा। इसी के दृष्टगत बैंको के साथ बैठक की जा रही है कि सभी आवेदनों पर नियमानुसार शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करे। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि समस्त शाखा प्रबंधक अपने अपने बैंको में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अंतर्गत ऋण हेतु लंबित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित कराए और युवाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि सभी शाखा प्रबंधक आवेदनों को ससमय जांच तथा भौतिक निरीक्षण कर अधिकाधिक ऋण के आवेदकों को नियमानुसार निस्तारित कराए। इस कार्य में कोई भी लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रो एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी, प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन, निदेशक आरसेटी, प्रधानाचार्य राजकीय पॉलिटेक्निक, नोडल उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश अपने अपने विभागों के लक्ष्य को शत प्रतिशत दें।

डाक जीवन बीमा पर विभागीय एजेंटो का कमीशन बन्द होने से रिटायर्ड कर्मचारियों में भारी रोष

प्रतापगढ़। डाक विभाग के रिटायर्ड कर्मचारियों ने डाक महानिदेशक को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि डाक जीवन बीमा के व्यवसाय पर विभाग द्वारा विभागीय एजेंटों को दिए जाने वाले इंसेंटिव के भुगतान को बंद कर दिया है जो रिटायर्ड डाक कर्मचारीयों के साथ सरासर अन्याय हो रहा है क्योंकि कर्मचारी विभाग की सेवा करते हुए उक्त व्यवसाय के लिए दिन–रात एक करके विभाग के लक्ष्यों की पूर्ति करता है जबकि यही व्यवसाय गैर विभागीय एजेंट के द्वारा संपादित किया जाता है तो उसे पालिसी चलने तक इंसेंटिव का भुगतान किया जाता रहा है वही विभागीय एजेंटों को भी रिटायर्ड होने के बाद 2020 तक उनके कोड पर इंसेंटिव का भुगतान किया गया परंतु उसके पश्चात विभाग के अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा उपरोक्त इंसेंटिव का भुगतान करने में आनाकानी की जाने लगी जिसकी शिकायत रिटायर्ड कर्मचारियों ने किया तब से आज तक विभाग के अधीनस्थों द्वारा हीला हवाली की जा रही है जिससे रिटायर्ड कर्मचारीयों के भविष्य के साथ घोर अन्याय किया जा रहा है जहां उक्त मामले को लेकर कर्मचारियों ने आर पार लड़ाई लड़ने की कमर कस लिया है वही रिटायर्ड फील्ड आफीसर रिटायर्ड पोस्ट मास्टर देवेन्द्र नाथ मिश्र का कहना है कि मुझे 11 मई 2016को पोस्टमास्टर जनरल ब्रिगेडियर चंद्रशेखर द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए नवंबर 2009 व जनवरी 2013 के आदेश का हवाला देते हुए कहा था जो व्यवसाय पी0 एल 0 आई 0 आप द्वारा विभाग में रहते हुए किया जाएगा उसका इंसेंटिव रिटायर्ड होने के बाद भी मिलता रहेगा परंतु अधीनस्थ अधिकारियों के द्वारा मनमानी तरीके से इंसेंटिव भुगतान बंद कर दिया गया है ।

यदि पूर्व की भांति रिटायर्ड कर्मचारियों को उनके कोड पर इंसेंटिव का भुगतान नहीं किया जाता तो रिटायर्ड कर्मचारी आर पार की लड़ाई लड़ेंगे।

'सी एम पी डिग्री कॉलेज में सैनेटरी नैपकिन का वितरण किया गया'

प्रयागराज। सी एम पी डिग्री कालेज की राष्ट्रीय सेवा योजना की महिला इकाई और नाइन सेनेट्री पैड के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना तथा महाविद्यालय की छात्राओ को सैनेट्री पैड का मुफ्त

वितरण किया गया ।इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनुराधा सिंह ने महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता के संबंध में जागरूक किया।महाविद्यालय की उप प्राचार्या प्रो नीता सिन्हा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा उन्होंने छात्राओ को महिला सशक्तिकरण में स्वास्थ की भूमिका को नजरअंदाज न करने की सलाह दी । इस अवसर पर डॉ विजयलक्ष्मी सक्सेना,तान्या राय डा राम चिरंजीव, नाइन सैनेट्री पैड के प्रयागराज सहायक ब्रज भूषण तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका पायल राज,श्रेया अंशिका आदि सहित सभी छात्राए उपस्थित थी ।

कुंभ पर्व और नागा संप्रदाय पुस्तक का हुआ लोकार्पण

प्रयागराज। आज दिनांक 22 जनवरी को श्रीमद् आर्यावर्त विद्वत् परिषद् के तत्वावधान में कुम्भमेला प्रयाग स्थित द्वारिका शारदा पीठ के सभागार में सुप्रतिष्ठित विद्वान साहित्य मनीषी

डाक्टर रामजी मिश्र की पुस्तक ष्कुम्भ पर्व और नागा सम्प्रदाय ष्का लोकार्पण द्वारिका शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य अनन्त श्रीविभूषित स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती जी महाराज के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूज्य महाराज श्री ने कहा कि अनन्त ज्ञान राशि को वेद कहते हैं। वेद अपौरुषेय हैं। वेदों में कुम्भ शब्द आया है। पुराणों में समुद्र मंथन की कथा का वर्णन है। वहीं पर कुम्भ पर्व का उल्लेख है। प्रयाग ब्रह्मा की यज्ञ वेदी है। यहाँ इस वर्ष कुम्भ का आयोजन हुआ है। भगवान शंकराचार्य ने अखाड़ों की स्थापना की। इन सबको आधार बनाकर डाक्टर रामजी मिश्र ने यह ग्रन्थ लिखा है। मैं इन्हें आशीर्वचन प्रदान करता हूँ। डा रामजी मिश्र ने पुस्तक के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर डा एस के पाण्डेय पूर्व आईएएस, विनय श्रीवास्तव, ओम श्रीवास्तव, अभिनव प्रज्ञ पाण्डेय, श्रीमती जया मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

फुटपाथ पर रखीं पानी की टंकियों को किया जब्त

–अतिक्रमण करने वालों से 11500 रूपये का जुर्माना वसूल किया गया

मथुरा। नगर आयुक्त शशांक चौधरी के निर्देशों के अनुपालन में नगर निगम सीमांतर्गत भूतेश्वर जोन में भूतेश्वर तिराहे से सौंख रोड पर मंडी चौराहा तक राकेश कुमार त्यागी सहायक नगर

आयुक्त के निर्देशन में प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलिथीन, अतिक्रमण एवं गंदगी के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क फुटपाथ पर स्थानीय दुकानदारों द्वारा सामान आदि रखकर किए गए। अतिक्रमण को हटवाते हुए दो पानी की टंकी, दो चौखट, तीन गेट एवं एक जंगला भी जब्त किया गया। इसके अतिरिक्त प्रतिबंधित पॉलिथीन को जब्त किया गया तथा सड़क फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई करते हुए 11500 रूपये का जुर्माना वसूल किया गया। अभियान के दौरान प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलिथीन, सड़क फुटपाथ पर अतिक्रमण एवं गंदगी करने वाले सभी दुकानदारों को प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग न करने, सड़क फुटपाथ पर गंदी न करने और सड़क फुटपाथ पर अतिक्रमण न करने के लिए कड़ी चेतावनी दी गई है। अभियान के दौरान मुख्य स्वच्छता निरीक्षक एवं प्रवर्तन दल की टीम उपस्थित रही।

सम्पादकीय.....

खो–खो के सरताज

ब्रिटिश काल में भारत में तमाम ऐसे खेल पनपे जिन्होंने परंपरागत स्वदेशी खेलों को हाशिये पर डाल दिया। एक ओर जहां महंगे खर्च वाले खेलों को तरजीह दी गई, वहीं बिना खर्च के शारीरिक–मानसिक स्वास्थ्य बढ़ाने वाले खेलों के प्रति हेय भाव जगाया। यही वजह है कि बाजार के खेल में हॉकी, शरीर सौष्ठव के कलात्मक खेल व खो–खो जैसा संपूर्णता का स्वास्थ्य देने वाला खेल अनदेखी का शिकार हुए। यह सुखद ही है कि भारत में पहली बार दुनिया में खो–खो की वैश्विक स्पर्धा हुई। जिसमें विश्व के दो दर्जन देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। पिछले दिनों पंद्रह जनवरी से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहले खो–खो वर्ल्ड कप की शुरुआत हुई थी। जिसका समापन उन्नीस जनवरी को हुआ। भारतीय महिला व पुरुष टीम ने नेपाल को हराकर खिताबी जीत हासिल की। महिला टीम ने दक्षिणी अफ्रीका के खिलाफ बड़ी जीत से जिस विजय अभियान की शुरुआत की थी, उसका समापन नेपाल के खिलाफ शानदार जीत से हुआ। इस तरह अब भारत महिला व पुरुष वर्ग में पहली वर्ल्ड चौंपियन टीम बन गई है। रविवार को हुए फाइनल मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने एक अरब चालीस करोड़ भारतीयों को खुश होने का अवसर दे दिया। लेकिन एक बात जरूर अखरती है कि इस वर्ल्ड चौंपियन टीम को कोई प्राइज मनी नहीं दी गई है। नई दिल्ली में आयोजित पहले खो–खो विश्व कप में महिला और पुरुष दोनों वर्ग में वर्ल्ड चौंपियन बनने पर केवल ट्रॉफी व खिलाड़ियों को मेडल ही दिए गए। भारतीय खो–खो फैडरेशन की दलील थी कि टैक्स कानून की जटिलताओं की वजह से कैश प्राइज नहीं दिए गए। कहा गया कि इससे विदेशी खिलाड़ियों को दिक्कत पैदा हो सकती थी। हालांकि, इस पहले खो–खो वर्ल्ड कप को पर्याप्त प्रायोजक भी मिले थे। ऐसे में पहली बार विश्व चौंपियन बनने वाले खिलाड़ियों को कैश प्राइज दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए था। निश्चित रूप से इस स्वदेशी खेल के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और इसे लोकप्रिय बनाने के लिये विशेष प्रयास किये जाने चाहिए। निश्चय ही हाल के वर्षों में भारतीय खो–खो फेडरेशन यानी केकेएफआई ने श्रम–साध्य प्रयास किए हैं। यह भारतीय खेल दुनिया के अनेक देशों में नहीं खेला जाता। इसे लोकप्रिय बनाने के लिये न केवल दूसरे देशों को प्रेरित किया गया बल्कि भारत से वहां इस खेल को सिखाने के लिये कोच भी भेजे गए। इन देशों में खो–खो फेडरेशन बनाने में सहयोग किया गया। जिससे दुनिया के विभिन्न देशों में इस खेल के प्रति दिलचस्पी पैदा हुई। निश्चित रूप से खो–खो भारत में खेला जाने वाला ऐसा खेल है जिसको जीतने के लिये न केवल रणनीति की जरूरत होती है बल्कि मनुष्य के आदर्श गुणों चुस्ती–फुर्ती, गतिशीलता व सहनशक्ति की भी आवश्यकता होती है। जो इस खेल को लोकप्रिय बनाने में सहायक है। निस्संदेह, भारत में खो–खो लीग के प्रयासों से भी इस खेल को प्रोत्साहन मिला। बाकायदा इस खेल को लोकप्रिय बनाने के लिये सलमान खान को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया। अब विश्व कप के आयोजन से इसकी वैश्विक लोकप्रियता को बढ़ावा मिलेगा। खो–खो फेडरेशन की कोशिश है कि आने वाले वर्षों में इसे एशियाड व ओलंपिक खेलों में शामिल किया जाए। इस अभियान में सलमान खान के साथ खेल सितारे नीरज चोपड़ा का भी सहयोग मिला है। निस्संदेह, इस खेल को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाने में हालिया विश्वकप की बड़ी भूमिका हो सकती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि आने वाले वर्षों में भारत की मिट्टी से जुड़ा यह खेल वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता हासिल करेगा। जरूरत इस बात की है कि इस खेल का प्रशिक्षण वैज्ञानिक तरीके से दिया जाए। खिलाड़ियों की शारीरिक व मानसिक शक्ति को मजबूत करने के लिये पर्याप्त सुविधाएं प्रदान की जाएं। तभी विश्व कप, साउथ एशियन गेम्स तथा एशियन चौंपियनशिप में मिली कामयाबी को भारतीय खिलाड़ी भविष्य में होने वाले एशियाड और ओलंपिक के मुकाबलों में दोहरा सकेंगे। भारतीय माटी से जुड़े इस खेल के लिये खिलाड़ियों की तलाश देश के आदिवासी, दूरदराज के क्षेत्रों व पर्वतीय इलाकों में की जाए। फिर उन्हें तराशकर विश्व स्तरीय खिलाड़ी तैयार किए जाएं।

विश्व राजनीति के लिए महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. दीपक पाचपोर

ट्रंप चार साल सत्ता से बाहर रहने के बाद फिर से व्हाइट हाउस लौट रहे हैं, इससे पहले ग्रोवर क्लीवलैंड के साथ भी ऐसा ही हुआ था, जिन्होंने पहली बार साल 1885 में अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, लेकिन 1889 में वे चुनाव हार गए थे और फिर 1893 में उन्होंने दोबारा वापसी की थी।

वैश्विक राजनीति के लिए रविवार और सोमवार के दिन खास महत्वपूर्ण हो गए हैं। एक तरफ रविवार को इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम की शुरुआत हो गई है। दोनों पक्षों से एक–दूसरे के बंधकों को छोड़ने का ऐलान हुआ और अब हमास ने इजरायल के कुछ बंधकों को रिहा भी कर दिया है। इधर सोमवार 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेकर डोनाल्ड ट्रंप इतिहास में अपनी अलग जगह बना चुके हैं। भारतीय समयानुसार रात साढ़े दस बजे के करीब ट्रंप का शपथग्रहण निर्धारित था। राष्ट्रपति की कुर्सी दोबारा संभालने से पहले वाशिंगटन डीसी में डोनाल्ड ट्रंप अघोषित तरीके से अपना शक्ति प्रदर्शन करते रहे। उनके सम्मान में रात्रिभोज, आतिशबाजी के कार्यक्रम हुए, जिसमें व्यापार, तकनीकी और राजनीति से जुड़ी दिग्गज हस्तियों ने हिस्सा लिया। भारत की तरफ से धनकुबेर मुकेश अंबानी अपनी पत्नी नीता अंबानी के साथ ट्रंप के जश्न में हिस्सा लेने पहुंचे, वहीं ट्रंप के बाएं हाथ बन चुके एलन मस्क भी ट्रंप की शान में कसीदे पढ़ते और अमेरिका को फिर से महान बनाने, बल्कि सदियों तक महान बनाने का संकल्प लेते दिखे। ये नजारे बता रहे हैं कि डोनाल्ड ट्रंप के इस दूसरे कार्यकाल में अमेरिका में न केवल पूंजीवाद का बोलबाला दिखने वाला है, बल्कि अब भू–राजनैतिक समीकरण भी काफी हद तक बदलेंगे। ट्रंप चार साल सत्ता से बाहर रहने के बाद फिर से व्हाइट हाउस लौट रहे हैं, इससे पहले ग्रोवर क्लीवलैंड के साथ भी ऐसा ही हुआ था, जिन्होंने पहली बार साल 1885 में अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, लेकिन 1889 में वे चुनाव हार गए थे और फिर 1893 में उन्होंने दोबारा वापसी की थी। 130 साल बाद अमेरिका फिर ऐसे ही घटनाक्रम का साक्षी बना है।हालांकि चार साल पहले जब डोनाल्ड ट्रंप को डेमोक्रेट जो बाइडेन के सामने हार मिली थी, तब उनके समर्थकों ने जिस तरह कैपिटल हिल पर हमला बोला था, वह दृश्य अमेरिकी लोकतांत्रिक राजनीति के लिए अभूतपूर्व और चौंकाने वाला था। ट्रंप ने तब चुनावों में धोखाधड़ी का इल्जाम लगाया था, वे बाद में कई मौकों पर पीड़ित की तरह प्रस्तुत करते रहे और सत्ता में लौटने का ऐलान उनकी तरफ से होता रहा। पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान जुलाई में जब उन पर गोली चली और वे बाल–बाल बचे, तब इस बात की प्रबल संभावनाएं बन गईं कि अब ट्रंप सत्ता में वापसी करेंगे। इस संभावना को जो बाइडेन की गिरती साख ने और बल दिया। डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर ही बाइडेन की उम्मीदवारी पर दो फाड़ हो गए। इजरायल–फिलीस्तीन युद्ध और रूस–युक्रेन युद्ध में अमेरिका की भूमिका को लेकर बाइडेन से नाराजगी जाहिर होने लगी। चुनाव अभियान के बीच में ही बाइडेन की जगह उनकी उपराष्ट्रपति रहीं कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी ने अपना उम्मीदवार बना दिया। इन सबमें रिपब्लिकन पार्टी और डोनाल्ड ट्रंप को फायदा हुआ और उन्होंने फिर से जीत दर्ज की। एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग जैसे लोगों का ट्रंप के साथ खड़ा होना भी जो बाइडेन की हार का कारण बना। अपनी ऐतिहासिक जीत को यादगार बनाने के लिए ट्रंप ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उनके शपथग्रहण के लिए मेहमानों की सूची से लेकर उनकी घोषणाएं सब पर चर्चा हो रही है। ट्रंप को फिर से राष्ट्रपति बनते देखने के साक्षी लोगों में एलन मस्क, मार्क जुकरबर्ग, जेफ बेजोस, सुंदर पिचाई, टिम कुक जैसे तकनीकी शक्ति से लैस धन कुबेरों के अलावा अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवीयर मिली, इटली की प्रधानमंत्री जियार्जिया मेलोनी, जर्मनी के अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) पार्टी के टीनो श्रुपाला और ब्रिटेन की पॉपुलिस्ट पार्टी–शरिफॉर्म पाटीश के नेता नाइजल फराज का नाम भी शामिल है। ये सूची बताती है कि दक्षिणपंथ और पूंजीवाद को ट्रंप ने खुल कर बिना किसी झिझक के तरजीह दी है। अपने विदाई भाषण में जो बाइडन ने जैसी चेतावनी दी थी कि अमेरिका चंद टेक अरबपतियों के दबदबे वाली ओलिगार्की (अल्पतंत्र) में तब्दील हो सकता है, तो वह चेतावनी ट्रंप के नए कार्यकाल की शुरुआत के साथ ही सच होती दिख रही है। उद्योगपति चुनावों में मदद करते हैं और सत्ताधारियों को दबाव में लेकर अपने मतलब की नीतियां बनवाते हैं, यह तो खुला सच है ही, लेकिन जिस तरह से एलन मस्क ट्रंप के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं, वह लोकतांत्रिक राजनीति में एक नए किस्म का चलन शुरु कर रहा है। हो सकता है आगामी वक्त में भारत में भी ऐसे नजारे देखने मिलें। वैसे ट्रंप के आमंत्रितों में नरेन्द्र मोदी का नाम शामिल न होने पर भी काफी सवाल उठे। माना जा रहा है कि पिछले सितम्बर में अपनी अमेरिका यात्रा में नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप से मुलाकात में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, इस वजह से ट्रंप ने कोई गांठ बांध ली है। हालांकि परस्पर लाभ और लेन–देन के संबंधों में ऐसी गांठें नहीं बनाई जातीं। लेकिन हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप जैसे आयोजनों के बाद नरेन्द्र मोदी को ट्रंप के शपथग्रहण में न बुलाना और वहीं शी जिनपिंग को ट्रंप द्वारा खुद निमंत्रित करना वैश्विक संबंधों में नए समीकरण की तरफ इशारा करता है। शी जिनपिंग इस समारोह में नहीं गए, उनकी जगह उप राष्ट्रपति हान झेंग पहुंचे हैं, वहीं भारत से विदेश मंत्री एस.जयशंकर इस समारोह के लिए पहुंचे हैं। बहरहाल, डोनाल्ड ट्रंप ने अपने नए कार्यकाल की शुरुआत से पहले बड़ा दावा किया कि वे तीसरा विश्वयुद्ध रोक देंगे।

एक नया जुर्म: नमाज पढ़ना

राजेंद्र शर्मा

शनिवार को उत्तर प्रदेश में बरेली की बहेरी तहसील के एक गांव में घर के एक अस्थायी टीन शेड में जुमे की नमाज अता करने के लिए ग्राम पंचायत प्रधान समेत चार मुस्लिम पुरुषों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और 20 पहचानशुदा तथा अनजान व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। हिंदू जागरण सेना से जुड़े एक एक्स (पहले ट्विटर) उपयोक्ता ने नमाज अता किए जाने का एक ड्रोन फुटेज साझा किया था, जिसके बाद पुलिस ने उस स्थान को सील कर दिया और पुरुषों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार होने वालों की पहचान आरिफ (ग्राम पंचायत प्रमुख), अकील अहमद, मोहम्मद शाहिद और छोटे अहमद के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मुजम्मिल, कादिर अहमद और अन्य कई के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। सिर्फ और सिर्फ सामूहिक रूप से नमाज पढ़नेश के जुर्म में पुलिस कार्रवाई की यह कोई पहली घटना नहीं है। मोदी–योगी के डबल इंजन राज में उत्तर प्रदेश में तो यह आए दिन की बात ही हो गयी है। सार्वजनिक जगह पर सामूहिक रूप से नमाज पढ़ने के लिए, यहां तक कि कई मामलों में तो सार्वजनिक स्थान पर अकेले नमाज पढ़ने के लिए भी या निजी स्थानों पर सामूहिक रूप से नमाज पढ़ने पर भी, पुलिस की कार्रवाई के मामलों की तादाद ठीक–ठाक बैठेगी। लेकिन, उत्तर प्रदेश इस मामले में अकेला ही नहीं है। मध्य प्रदेश जैसे अन्य भाजपा–शासित राज्य भी इस मामले में भी उत्तर प्रदेश के पदचिन्हों पर चल रहे हैं। और यह कृपा भी सिर्फ नमाज पढ़ने वालों के लिए ही सुरक्षित नहीं है। कुछ ही हफ्ते पहले, भाजपा–शासित उत्तराखंड में एक महिला के निजी आवास पर, ईसाई प्रार्थना संबंधी आयोजन पर, इसी तरह हिंदू सांप्रदायिक संगठनों के झगड़ा खड़ा करने के बाद, पुलिस हरकत में आ गयी थी। गनीमत यही रही कि संबंधित घर की स्वामिनी को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया और ऐसा कुछ भी दोबारा नहीं करने की कड़ी चेतावनी देकर ही छोड़ दिया। हरियाणा, छत्तीसगढ़, ओडिशा आदि अन्य डबल इंजन सरकार शासित राज्यों में भी, क्रिसमस समेत ईसाई धार्मिक आयोजनों पर हिंदू सांप्रदायिकतावादियों की हमलों और उनके लिए पुलिस–प्रशासन की मौन सहमति की घटनाएं, कम से कम वैकल्पिक मीडिया में ठीक–ठाक संख्या में दर्ज की गयी हैं। इस तरह, मोदी राज में भारत में एक नया जुर्म स्थापित किया जा चुका है, मुसलमानों के नमाज पढ़ने का जुर्म, ईसाइयों के प्रार्थना करने का जुर्म और संक्षेप में कहें तो अल्पसंख्यकों के प्रार्थना करने का जुर्म। यहां हम जान–बूझकर अपने धर्म का पालन करने जैसी व्यापक संज्ञा का उपयोग नहीं कर रहे हैं। अपने धर्म का पालन करने की संज्ञा के दायरे में तो, हालांकि भारत का संविधान सभी नागरिकों को ठीक इतनी ही व्यापक स्वतंत्रता देता है, अपने धर्म की प्रार्थना करने से आगे भी बहुत कुछ आ जाता है। बेशक, भारत का संविधान तो इससे कई कदम आगे बढ़कर, अपने धर्म का प्रचार तथा धर्मांतरण के जरिए उसका प्रसार करने तक की इजाजत देता है। लेकिन, जैसा कि किसी से छुपा हुआ नहीं है, धर्मांतरण–विरोधी कानूनों के नाम पर, पहले ही अल्पसंख्यकों के लिए अपने धर्म के प्रचार–प्रसार को व्यवहार में जुर्म ही बनाया जा चुका था। उत्तर प्रदेश की अगुआई में प्रायरू सभी भाजपायी राज्य सरकारें, इन पाबंदियों को और इस जुर्म के लिए सजा को, कड़े से कड़ा बनाने में ही लगी रही हैं। बहरहाल, इसके साथ ही अब तरह–तरह के बहानों से, अल्पसंख्यकों के प्रार्थना करने के धार्मिक अधिकार को ही निशाने पर लेने की कोशिश की जा रही है। बरेली में जो हुआ है, इसी का ताजातरीन उदाहरण है। बरेली की घटना का पूरा अर्थ समझने के लिए, यह याद रखना भी जरूरी है कि नमाज पढ़े जाने की घटना शुक्रवार, 17 जनवरी की है और पुलिस कार्रवाई 18 जनवरी की है। इन तारीखों का महत्व, इस तरह की शिकायतों पर पुलिस की अतिरिक्त मुस्तैदी की ओर इशारा करने के अलावा यह भी है कि यह सब ठीक उस दौरान हुआ है, जब इलाहाबाद उर्फ प्रयागराज में महाकुंभ चल रहा है, जिसकी विधिवत शुरूआत 14 जनवरी को मकर संक्रांति से हो चुकी थी। इस महाकुंभ के लिए, जो वास्तव में बारह वर्ष पर होने वाला पूर्ण कुंभ है, मोदी–योगी के डबल इंजनिया राज द्वारा जिस तरह से व्यवस्थाएं की जा रही हैं और पूरी ताकत झोंककर व्यवस्थाएं की जा रही हैं, उनकी खबरों से न सिर्फ मीडिया पटा पड़ा है बल्कि खुद शासन द्वारा तमाम सार्वजनिक विमर्श को इस प्रचार के बोझ तले दबाने की ही, काफी हद तक कामयाब कोशिशें की जा रही हैं। एक ओर, अगर बढ़ा–चढ़ाकर इसके दावे किए जा रहे हैं कि इस बार के महाकुंभ में 40 करोड़ के करीब लोग हिस्सा लेने जा रहे हैं, तो दूसरी ओर जोर–शोर से इसके भी दावे किए जा रहे हैं कि सरकार ने अपनी ओर से कुंभ मेले के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा 7,000 करोड़ रुपए से अधिक प्रत्यक्ष रूप से बजट से खर्च किए जाने की जो जानकारियां सामने आयी हैं, उनके अलावा रेलवे समेत विभिन्न विभागों के जरिए, सरकार द्वारा ही किंतु अलग–अलग नामों से जितना कुछ खर्च किया गया है, उसका तो सिर्फ अनुमान ही लगाया जा सकता है। बेशक, कुंभ मेला जैसे बड़े पारंपरिक आयोजनों के लिए, जहां भी विशाल संख्या में लोग जुटते हैं, उनकी धार्मिक प्रकृति चाहे जैसी भी हो, तमाम व्यवस्था संबंधी इंतजामात करने और न्यूनतम सुविधाएं जुटाने की जिम्मेदारी से कोई भी शासन बच नहीं सकता है। बेशक, इस महाकुंभ के सिलसिले में भी इस पर तो बहस हो सकती है कि क्या व्यवस्थाओं के मामले में मोदी–योगी सरकार की सभी प्राथमिकताएं, इस पारंपरिक आयोजन की प्रकृति के अनुरूप रही हैंय इस मेले में लखटकिया टैंटों के जो विशाल मोहल्ले बनाए गए हैं, उनके बजाए मेला भूमि समेत तमाम संसाधनों का क्या गरीब या साधारण श्रद्घालुओं के लिए सुविधाएं बेहतर बनाने के लिए उपयोग करना ही अच्छा नहीं रहता। बेशक, इस तरह के सवाल भी अपनी जगह रहते ही हैं कि क्या वजह है कि शासन के न भूतो न भविष्यत किस्म के प्रबंधा करने के दावों के बावजूद, लाखों साधारण और जाहिर है कि गरीब श्रद्घालु जनवरी की कड़कड़ाती ठंड में भी, खुले आसमान के नीचे रात गुजारने पर मजबूर हैंय क्या आसमान से फूलों की बारिश कराए जाने जैसी नुमाइशी व्यवस्थाओं के मुकाबले, इन साधारण श्रद्घालुओं के लिए रात को सिर छुपाने की व्यवस्थाओं पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी नहीं था। फिर भी, यहां हमारा इरादा इस बार के महाकुंभ की व्यवस्थाओं की किसी प्रकार की समीक्षा करने का नहीं है। ना ही हम इसकी चर्चा में जाना चाहेंगे कि इस तरह के आयोजनों पर सरकार का खर्चा करना अगर जरूरी भी हो, तब भी देश की प्राथमिकताओं तथा सामर्थ्य के हिसाब से क्या उसकी कोई सीमाएं नहीं होनी चाहिए? देश के आजाद होने के बाद, पहले कुंभ के लिए डेढ़–दो करोड़ के बजट से, 2025 के कुंभ में 7,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के खर्च तक की इस यात्रा में बेशक, शाहखर्ची का रंग दिखाई देता है। बहरहाल, हमारे तो कुंभ के प्रसंग को उठाने का आशय ही कुछ और है। कुंभ वह पर्दा है, जिसके सामने रखकर जब हम बरेली के बहेली तहसील की घटना को देखते हैं, तो उसकी भयावहता अपने असली रंग में सामने आ जाती है। आखिरकार, वही सरकार जो धार्मिक परंपरा के नाम पर, कुंभ को विशालतम और भव्यतम बनाने के लिए प्राणप्रण से लगी हुई है, उसी समय मुसलमानों को नमाज पढ़ने से रोकने के लिए, अपनी पूरी दमनकारी ताकत लगाने के लिए सन्नद्घ नजर आती है। जाहिर है कि यह हमारे संविधान के धर्मनिरपेक्ष आधार को धीरे–धीरे कमजोर किए जाने भर का मामला नहीं है।

ट्रम्प शासन के शुरुआती दौर में भारतीय रुपये में गिरावट का खतरा वास्तविक

अंजन रॉय

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की विनिमय दर में हाल ही में हुई अस्थिरता ने इस बात पर बहस को जन्म दिया है कि केंद्रीय बैंक को राष्ट्रीय मुद्रा के प्रगतिशील अवमूल्यन की स्थिति पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। कुछ टिप्पणीकारों और रिपोर्टों के अनुसार, रुपया कुछ ही समय में 90 डॉलर के स्तर पर पहुंच सकता है। भारत के अग्रणी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक ने रुपये–डॉलर की दरों में मौजूदा उतार–चढ़ाव को श्ट्रम्प टैंट्रम्सश के रूप में वर्णित किया है, जो कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अपने शानदार अध्यक्ष, बेनबर्नानके के तहत नीति सुधार चरण के दौरान पहले जो हुआ था, उसके संदर्भ में है। बर्नानके प्रभावशाली अर्थशास्त्रियों में से एक थे और 1930 के दशक की महामंदी पर उनके काम ने उन्हें 2008 के वैश्विक वित्तीय मंदी के बाद की स्थिति को संभालने के लिए एक विशेष उपकरण प्रदान किया। ऐसी स्थिति का सामना करते हुए जिसमें केंद्रीय बैंकर अर्थव्यवस्था के व्यवहार को प्रभावित करने के लिए ब्याज दर भिन्नता जैसे मौद्रिक नीति साधनों का उपयोग करने में असमर्थ थे, प्रमुख केंद्रीय बैंकरों ने श्मात्रात्मक सहजताश (क्यूई) के रूप में जाना जाने वाला उपाय शुरू किया था। इसमें वित्तीय परिसंपत्तियों की खरीद करके सिस्टम में अधिक तरलता जारी करना और इस प्रकार नये फंड डालना शामिल था। स्थिति स्थिर होने के बाद, क्यूई जारी रहा और फिर वह समय आया जब इन्हें रोकना पड़ा–अर्थात्नीति उलटने का जमाना आया। बर्नानके ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से इस प्रक्रिया की शुरुआत की थी, जिसके कारण 2012–13 में वैश्विक वित्तीय उथल–पुथल मच गयी थी। तब जो हुआ था, वह यह था कि नीतिगत रुख के उलट होने से उभरते बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) से धन का पलायन हुआ और वापस अमेरिका में आ गया। परिणामस्वरूप, ईएमई की मुद्राओं में एक तरह की गिरावट आई और विनिमय स्थिरता ने ईएमई को गंभीर रूप से प्रभावित किया। सबसे अधिक प्रभावित लोगों को एक नाम भी दिया गया था, फ्रैंजाइल फाइव। वित्त विशेषज्ञों के बीच उस चरण को टेपरटैंट्रम के रूप में जाना जाता था, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व प्रणाली द्वारा बॉन्ड खरीद को कम किया गया था। नये अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा आर्थिक कार्रवाइयों की एक श्रृंखला का सुझाव देने के साथ, वित्तीय बाजारों द्वारा एक समान अस्थिरता प्रकट की जा रही है। यह स्पष्ट और स्पष्ट रूप से घबराहट है। डोनाल्ड ट्रम्प उन देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं, जिनके निर्यात बाजार अमेरिका में हैं। इस प्रकार, ट्रम्प कह रहे हैं कि वे केनडा, मैक्सिको और सबसे बढ़कर, चीन पर उनके उत्पादों पर टैरिफ लगायेंगे जो अमेरिकी बाजार में प्रवेश करते हैं। ट्रम्प ने भारत को भी नहीं बख्शा है। उन्होंने अक्सर भारत को टैरिफ किंग के रूप में वर्णित किया है, यह इंगित करते हुए कि भारत अक्सर संयुक्त राज्य अमेरिका से आयात पर टैरिफ लगाता है।ट्रम्प टैरिफ का उद्देश्य बाहर से आयात को सीमित करना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में एक रूढ़िवादी निरंकुश शासन स्पष्ट रूप से आयात को प्रतिबंधित करेगा और इसके बजाय अमेरिकी मांगों को बाहर से आयात करने के बजाय घरेलू उत्पादित वस्तुओं पर निर्देशित करेगा। उम्मीद है कि इससे ट्रम्प के समर्थकों और उनके अनुयायियों द्वारा घोषित और प्राप्त की गयी तथाकथित मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मगा)कार्य योजना – अमेरिका को फिर से महान बनाओ– को बहाल या हासिल किया जा सकेगा। हालांकि, अमेरिका और उसके व्यापार भागीदारों में जमीनी स्तर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए, आयात को प्रतिबंधित करने वाले टैरिफ अमेरिका के अंदर आपूर्ति दबाव पैदा करेंगे। जैसा कि अर्थशास्त्र के जाने–माने प्रोफेसरों में से एक बैरी आइचेन ग्रीन ने तर्क दिया है, संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर विनिर्माण की कठोरता के कारण, अमेरिकी उपभोक्ताओं को घरेलू कमी को दूर करने के लिए आयातित वस्तुओं की ओर रुख करना होगा। ऐसा होने के लिए, विदेशी उत्पादों को खरीदना अभी भी सस्ता बनाने के लिए अमेरिकी डॉलर को मजबूत करना होगा। इस प्रकार, ऐसा प्रतीत होता है कि अल्पावधि में, अमेरिकी डॉलर में वृद्धि के लिए भारी दबाव आयेगा। व्यापारिक साझेदारों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं को स्थिर करने में अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। पहले से ही, कई प्रतिस्पर्धी मुद्राएं, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चीनी मुद्रा ने डॉलर के मुकाबले निचले स्तर दिखाये हैं। ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ अमेरिका की नयी वास्तविकताओं के लिए इस तरह के वैश्विक समायोजन की स्थिति में, भारतीय वित्तीय क्षेत्र को नई वास्तविकताओं के मद्देनजर समायोजित करने के लिए बहुत सतर्क दृष्टिकोण अपनाना समझदारी होगी। नयी वास्तविकताएं और रुझान क्या हैं जिनके खिलाफ भारतीय केंद्रीय बैंक को निकट भविष्य के लिए अपनी नीतियां बनानी चाहिए? सबसे पहले, बाजार की ताकतों के खिलाफ मुद्रा की विनिमय दर को वास्तव में नियंत्रित करना लगभग असंभव है। क्या होता है जब केंद्रीय बैंक दरों को स्थिर करने के लिए बाजार में हस्तक्षेप करने के लिए भारी मात्रा में धन खर्च करते हैं। हस्तक्षेप समाप्त होने के तुरंत बाद मुद्राओं पर हमले फिर से शुरू हो जाते हैं। ऐसा बार–बार हुआ है। दूसरे, मुद्रा दरें आम तौर पर एक अवधि में घरेलू ताकत और कमजोरियों को दर्शाती हैं। इस प्रकार, समग्र व्यापार में रुझान, घरेलू मूल्य स्तर, ब्याज दरें और इसी तरह के कारक दीर्घकालिक संभावनाओं को प्रभावित करते हैं। जहां तक भारतीय विदेशी मुद्रा बाजार का सवाल है, दरें लगभग सीधे तौर पर व्यवहार से जुड़ी हुई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। अगर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) घरेलू बाजार में बिकवाली करते हैं और फिर अपने फंड निकाल लेते हैं, तो रुपया दबाव में आ जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन के ताजा अंक में प्रकाशित एक पेपर में इस बारे में लिखा है। यह प्रवृत्ति कोई नई नहीं है। यह 2008 के बाद की वित्तीय मंदी के दौर में देखी गयी थी। इस तरह की पृष्ठभूमि में बाजार को स्थिर करने के लिए आरबीआई का भारी हस्तक्षेप कुछ हद तक निरर्थक है। बेशक, ये हस्तक्षेप अपने तात्कालिक लक्ष्य को हासिल करते हैं–अर्थात तत्काल दरों को स्थिर करते हैं। लेकिन विदेशी मुद्रा बाजार का एक और पहलू है – सख्त तकनीकी कारक जो अक्सर बढ़ जाते हैं और उन्हें थोड़ा ठीक करने की जरूरत होती है। ऐसा ही एक कारक विदेशी गैर–वितरणीय रुपया व्यापार प्रवृत्ति है। ये पूरी तरह से सट्टा हैं और वास्तव में डिलीवर करने योग्य नहीं हैं। जब रघुराम राजन ने रिजर्व बैंक के गवर्नर का पद संभाला था, तब इसने कुछ हद तक महत्व हासिल कर लिया था। एक अच्छे अर्थशास्त्री होने के नाते, उन्होंने विदेशी गैर–वितरणीय बाजार को नियंत्रित करने के लिए बहुत सफलतापूर्वक कदम उठाये थे। उन दिनों के सबक पर फिर से विचार करना उचित हो सकता है और उनमें से कुछ सबक शिक्षाप्रद हो सकते हैं।

यश का जीवन रॉकी भाई जितना ही रहा है महाकाव्य

यश निस्संदेह कन्नड़ फिल्म उद्योग में सबसे प्रिय सितारों में से एक है और भारतीय सिनेमा में एक ताकत है। हालाँकि, सुपरस्टारडम तक का उनका सफर आसान नहीं था। छोटी–मोटी नौकरियों, शिक्षा और अभिनय के प्रति अपने जुनून के बीच संतुलन बनाकर यश की प्रसिद्धि तक पहुंचना अथक दृढ़ता की कहानी है। जैसा कि कहा जाता है, भगवान उनकी मदद करता है जो अपनी मदद खुद करते हैं, और आज यश का अद्वितीय स्टारडम उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। अभिनय के प्रति यश का जुनून जल्दी ही जग गया और 6 साल की उम्र में उन्होंने एक निर्देशक की सहायता करना शुरू कर दिया। हालाँकि, केवल दो दिन की शूटिंग के बाद, परियोजना को रोक दिया गया, जिससे वह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति में आ गए। निडर होकर, उन्होंने कारंत द्वारा स्थापित प्रसिद्ध बेनका नाटक मंडली में शामिल होने की सलाह ली, जहां उन्होंने प्रति दिन केवल 50 कमाने के लिए बैकस्टेज सहायक के रूप में काम किया। उन्होंने अपनी कला को निखारने के लिए थिएटर में खुद को व्यस्त रखते हुए चाय परोसने जैसे छोटे–मोटे काम भी किए। इसके साथ ही, यश ने पढ़ाई और थिएटर के काम के साथ–साथ बेंगलुरु के केएलई कॉलेज से कला स्नातक की डिग्री हासिल की। उनकी दृढ़ता का फल तब मिला जब उन्हें धारावाहिक नंदा गोकुला में एक महत्वपूर्ण ब्रेक मिला, जिसमें उनकी भावी पत्नी राधिका पंडित मुख्य भूमिका में थीं। इससे उनके करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। यश ने जंबाडा हुडुगी के साथ सैंडलवुड में डेब्यू किया और मोगिना मनसु, ड्रामा, गूगली, मिस्टर एंड मिसेज रामाचारी और मास्टरपीस सहित कई सफल फिल्मों में अभिनय किया। इन हिट फिल्मों ने कन्नड़ फिल्म उद्योग में उनकी स्थिति मजबूत कर दी। हालाँकि, यह केजीएफ फ्रैंचाइजी थी जिसने उन्हें देशव्यापी प्रसिद्धि दिलाई, यश को एक घरेलू नाम बना दिया और पूरे भारत में उनकी व्यापक अपील स्थापित की। वर्तमान में, यश भारतीय सिनेमा की कुछ सबसे बड़ी परियोजनाओं के लिए तैयारी कर रहे हैं, जिनमें केजीएफ 3, टॉक्सिक और बहुप्रतीक्षित रामायण शामिल हैं। एक बैकस्टेज वर्कर से भारत के सबसे प्रसिद्ध सुपरस्टार में से एक तक की उनकी यात्रा धैर्य, प्रतिभा और दृढ़ महत्वाकांक्षा की एक प्रेरक कहानी के रूप में खड़ी है।

> “
> आज यश का अद्वितीय स्टारडम उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। अभिनय के प्रति यश का जुनून जल्दी ही जग गया और ६ साल की उम्र में उन्होंने एक निर्देशक की सहायता करना शुरू कर दिया। हालाँकि, केवल दो दिन की शूटिंग के बाद, परियोजना को रोक दिया गया, जिससे वह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति में आ गए। निडर होकर, उन्होंने कारंत द्वारा स्थापित प्रसिद्ध बेनका नाटक मंडली में शामिल होने की सलाह ली, जहां उन्होंने प्रति दिन केवल ५० कमाने के लिए बैकस्टेज सहायक के रूप में काम किया।

बिपाशा बासु और देवी का ट्विनिंग लुक, मां–बेटी की जोड़ी ने जीता लोगों का दिल

बिपाशा बासु और उनकी प्यारी बेटी देवी अपनी खास और दिल छू लेने वाले अंदाज से लोगों के दिलों में जगह बना रही है। 20 जनवरी को एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारा वीडियो शेयर किया, जिसमें दोनों के मजेदार दिन की झलक देखने को मिली। इस वीडियो में बिपाशा ने ट्रेंडी टाई–डाई ड्रेस पहनी थी, जबकि देवी ने रफल्ड टॉप और शॉर्ट्स पहने थे। दोनों ने मैचिंग आउटफिट्स और एक्सेसरीज पहनी थीं और उनका स्टाइल देखकर फैंस बेहद खुश हुए। वीडियो में बिपाशा बासु और उनकी बेटी देवी एक हरे–भरे लॉन पर चल रही थीं। बिपाशा अपने चंचल अंदाज में श्ल्मेश कहती हैं, जिसे देख उनकी बेटी देवी ने मजेदार तरीके से उनकी नकल उतारी। इस पर बिपाशा हंसी नहीं रोक पाई। सबसे प्यारा पल वह था जब बिपाशा अपनी दो साल की बेटी को एक डिवा जैसा पोज सिखाने की कोशिश करती हैं, और देवी बिल्कुल वैसे ही पोज करती हैं। दर्शक मां बेटी की प्यारी बॉन्डिंग को देखकर हैरान रह गए। वीडियो शेयर करते हुए बिपाशा ने लिखा, श्डपदप डम रुजूपददपदह रुउवउंदककंनहीजमतश, इसके साथ उन्होंने गुलाबी दिल और बुरी नजर वाले इमोजी डाले। इस वीडियो के साथ उन्होंने ळपसकें डंतजपद के गाने श्जूपददपदह ज्पउमश का इस्तेमाल किया। जैसे ही बिपाशा ने यह पोस्ट किया, उनके फैंस ने कमेंट सेक्शन को देवी की तारीफों से भर दिया।

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू से शादी करके छोड़ दी नम्रता शिरोडकर ने फिल्मी दुनिया, 1993 में बनी थीं मिस इंडिया

बॉलीवुड को कई साल पहले छोड़ चुकीं एक्ट्रेस नम्रता शिरोडकर आज 53 साल की हो चुकी हैं। मुंबई में जन्मी नम्रता साउथ सुपरस्टार महेश बाबू से शादी करके लाइमलाइट से दूर ही रहती हैं। नम्रता शिरोडकर पहली बार साल 1993 में सुर्खियों में आई थी। जब उन्होंने मिस इंडिया का ताज पहना था। हालांकि, वो मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भी पाँचवें स्थान पर रही थीं। ब्यूटी कॉन्टेस्ट जीतने और कुछ साल मॉडलिंग करने के बाद नम्रता ने फिल्मों का रुख किया।

शुरुआती जीवन

नम्रता शिरोडकर एक समय तक बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में काम कर लोगों के दिलों पर राज किया करती थीं। उनका जन्म 22 जनवरी 1977 को मुंबई में हुआ था। कई बड़े स्टार्स के साथ काम कर चुकीं नम्रता इन दिनों फिल्मी दुनिया से दूर अपने पति महेश बाबू के साथ लग्जरी लाइफ बिता रही हैं। शिरोडकर ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत सलमान खान जैसे बड़े स्टार के अपोजिट की थी। फिल्म का नाम था श्जब प्यार किसी से होता हैश। इस फिल्म के बाद नम्रता के पास कई बड़ी फिल्मों के ऑफर आने लगे।

फिल्मी सफर की शुरुआत

इस दौरान उन्होंने ‘कच्चे धागे’, ‘वास्तव’, ‘पुकार’, ‘अलबेला’ ‘दिल विल प्यार व्यार’ जैसी फिल्मों में कई नामी एक्टर्स के साथ काम किया। साल 2000 में उन्होंने तेलुगू फिल्म श्वामसीश साइन की, जिसमें लीड रोल में महेश बाबू थे। नम्रता की महेश बाबू से यह पहली मुलाकात थी। शूटिंग के दौरान ही महेश ने नम्रता को दिल दे दिया था। महेश एक्ट्रेस से उम्र में 3साल छोटे थे। फिल्म के सेट पर दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई और बाद में यह प्यार में तब्दील हो गई। दोनों ने शादी का फैसला कर लिया। 10 फरवरी 2005 को दोनों सात फेरे ले लिए। शादी के बाद नम्रता ने एक्टिंग करियर को अलविदा कह दिया था।

शादी के बाद छोड़ दिया करियर

एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया था कि उनके पति महेश बाबू ने उनके सामने शर्त रखी थी कि अगर वह शादी करना चाहती हैं तो उन्हें एक्टिंग करियर को अलविदा कहना होगा। बकौल नम्रता उनके पति इस बारे में बिलकुल स्पष्ट थे कि उन्हें काम करने वाली पत्नी नहीं चाहिए थी। हालांकि, इस शादी के लिए नम्रता ने भी कुछ शर्ते रखी थीं, जिसे महेश ने भी माना था। नम्रता ने पहले ही साफ कर दिया था कि अगर वह शादी के बाद हैदराबाद रहेंगी तो महेश को अपार्टमेंट में शिफ्ट होना पड़ेगा क्योंकि वह बंगले में रहने में थोड़ी असहज थीं। इस वजह से शादी के बाद महेश बाबू एक अपार्टमेंट में रहने लगे थे। नम्रता ने भले ही फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली हो लेकिन वह अपने परिवार के साथ इस समय खुशहाल जीवन बिता रही हैं।

नहीं रहे एक्टर फ्रांसिस्को सैन मार्टिन, 39 की उम्र में मौत को लगाया गले

हॉलीवुड के फेमस एक्टर फ्रांसिस्को सैन मार्टिन अब हमारे बीच नदी रहे। फ्रांसिस्को सैन मार्टिन ने सुसाइड कर अपनी जिंदगी खत्म कर ली। 39 की उम्र में फ्रांसिस्को सैन मार्टिन ने मौत को गले लगाया। एक्टर के जाने से फिल्म इंडस्ट्री में मातम छा गया। उनके फैंस भी सदमे में हैं उन्हें

यकीन ही नहीं हो रहा है कि मार्टिन अब इस दुनिया में नहीं हैं। जानकारी के अनुसार मार्टिन की मौत 16 जनवरी को हुई थी। उन्होंने 39 की उम्र में सुसाइड कर दुनिया को अलविदा कह दिया। अपने घर पर वो मृत पाए गए। लॉस एंजिल्स काउंटी कोरोनर ने उनकी मौत की पुष्टि की है। एक्टर डेज ऑफ अवर लाइव्स टीवी सीरीज में अपने दमदार अभिनय से छा गए थे। वहीं इसके बाद मार्टिन जीना रोड्रिगेज के साथ जेन द वर्जिन में भी दिखाई दिए थे। इसके सीजन 3 और 4 में मार्टिन ने बहुत महत्वपूर्ण किरदार निभाया था, जो ऑडियंस के दिल पर अलग छाप छोड़ गया था।

अपनी सगी बहन की बेटी को दिल दे बैठे थे विजय आनन्द, खूब विवादों में रही अभिनेता की शादीशुदा जिंदगी

बॉलीवुड के सदाबहार अभिनेता देव आनंद के छोटे भाई विजय आनंद ने थ्रिलर, रोमांटिक, कॉमेडी से लेकर फैमिली ड्रामा तक हर तरह की फिल्में बनाईं हैं। फिल्मी दुनिया में उन्होंने खुद को बखूबी स्थापित किया। लेकिन अपनी निजी जिंदगी को लेकर वह हमेशा ही विवादों में रहे। दरअसल, विजय आनंद ने सुषमा कोहली से शादी की। खबरों के मुताबिक, सुषमा कोहली रिश्ते में विजय आनंद की भांजी लगती थीं। उन्होंने अपनी ही सगी बहन की बेटी से शादी की थी, जो कि उस समय काफी विवादों में रही थी।

एक्टर का प्रारम्भिक जीवन

पंजाब के गुरदासपुर में विजय आनंद का जन्म 22 जनवरी को में हुआ था। विजय आनंद जब महज सात साल के थे, जब उनकी मां चल बसी थीं। उनका पालन पोषण बड़े भाई और भाभी की देखरेख में हुआ। विजय आनंद अपनी प्राइमरी एजुकेशन पूरी कर रहे थे, तब तक उनके बड़े भाई देव आनंद और चेतन आनंद का बड़ा नाम हो चुका था। पढ़ाई पूरी करने के बाद विजय आनंद भी इंडस्ट्री में चले आए। उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री ली थी। जब विजय आनंद कॉलेज में थे, तब उन्होंने अपनी भाभी उमा आनंद के साथ मिलकर एक स्क्रिप्ट लिखी थी। इस स्क्रिप्ट पर आगे चलकर एक फिल्म बनी, जिसे लोग श्टैक्सी ड्राइवरश के नाम से जानते हैं। यह फिल्म साल 1954 में रिलीज हुई थी। जिसका निर्माण चेतन आनंद ने किया था, जबकि देव आनंद फिल्म के निर्माता व एक्टर थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसके बाद विजय आनंद की समझ फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बेहतर होती गई।

फिल्मी सफर

उनको गोल्डी आनंद के नाम से भी जाना जाता था। ‘गाइड’, ‘तीसरी मंजिल’, ‘ज्वेल थीफ’ और ‘जॉनी मेरा नाम’ फिल्म बनाने वाले विजय के बड़े भाई चेतन आनंद डायरेक्टर– प्रोड्यूसर थे और देव आनंद एक्टर–डायरेक्टर थे। इन तीन भाईयों ने मिलकर ‘नवकेतन फिल्म्स’ बनाया था और विजय ने अधिकतर फिल्में इसी बैनर के तले की थीं। अच्छी फैमिली से ताल्लुक रखने वाले बेहद टैलेंटेड विजय जीवन के आखिरी पलों में बुरी तरह टूट गए थे और ओशो की शरण में चले गए थे। फिल्म और अभिनय के अलावा वह अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से भी काफी सुर्खियों में रहे।

निजी जीवन

एक इंटरव्यू में विजय आनंद ने अपनी शादी को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा की थीं। उन्होंने कहा था कि गोल्डी और मेरी शादी साल 1978 में हुई थी। जब हमारी शादी हुई थी, तब फिल्म श्राम बलरामश की शूटिंग चल रही थी। उन्हें मेरे सादगी पसंद आई थी। मैं उनका टेम्परामेंट समझ गई थी। मैं समझ गई थी कि उन्हें बहुत जल्दी गुस्सा नहीं आता है। वो मैं थी, जिसे जल्दी गुस्सा आता था। मैं ज्यादा पागल थी। मैं कुछ चीजें जान बूझकर उन्हें तंग करने के लिए किया करती थी। कभी उन्होंने मुझे संभाला, तो कभी मैंने उन्हें संभाला। विजय आनंद के करियर की बात करें तो बतौर हीरो उन्होंने ‘हकीकत’, ‘कोरा कागज’, ‘मैं तुलसी तेरे आंगन की’ जैसी फिल्मों में कम किया था।

विपुल अमृतलाल शाह ने आंखें की कहानी के पीछे की सोच का किया खुलासा

विपुल अमृतलाल शाह एक ऐसे निर्माता–निर्देशक हैं जिन्होंने कई यादगार फिल्मों का निर्माण किया है। उनकी कई फिल्मों में से एक, 2002 में आई आंखें, एक अनोखी हेस्ट थ्रिलर थी। उन्होंने इस फिल्म के साथ हेस्ट यूनिवर्स की शुरुआत की थी, और अब वे इस विरासत को अपनी आने वाली हेस्ट थ्रिलर हिसाब के साथ आगे ले जा रहे हैं। हिसाब के साथ अपने हेस्ट यूनिवर्स को विकसित करते हुए, उन्होंने आंखें बनाने की प्रेरणा साझा की। आंखें के साथ हेस्ट यूनिवर्स बनाने की अपनी प्रेरणा को शेयरकरते हुए, विपुल अमृतलाल शाह ने कहा, ष्असल प्रेरणा नई भारतीय सिनेमा की कहानी बताने की थी। जब सभी ने हमें हतोत्साहित किया, हमने सोचा भारत एक विषय के लिए तैयार है जो श्आंखेंश जैसा नया था। हमारे पास एक अद्भुत कास्ट और तकनीकी टीम थी जो इस फिल्म पर काम कर रही थी, जिससे हमें फिल्म बनाने के लिए बहुत प्रोत्साहन मिला। यह एक युवा विद्रोही दिमाग का काम था जहां हम प्रवाह के विपरीत तैरना चाहते थे। हमें उस समय यह नहीं पता था कि यह फिल्म इतनी आइकॉनिक बन जाएगी।

मीठा खाने के शौकीन हैं तो, इस तरह बनाएं गाजर का हलवा

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही घरवालों की पहली फरमाइश होती है, गाजर का हलवा। क्योंकि गाजर का हलवा बच्चों से लेकर बड़ो तक सबको पसंद होता है। यह खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक तत्वों से भरपूर होता है। गाजर का हलवा केवल त्योहारों पर ही नहीं बल्कि खास अवसरों पर बड़े चाव से बनाया और खाया जाता है। चलिए जानते हैं, गाजर का हलवा बनाने की विधि।

गाजर के फायदे

गाजर कैरोटिनॉइड, पोटेशियम, विटामिन ए और विटामिन इ जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। बच्चों के लिए गाजर बहुत पौष्टिक है। गाजर आंखों की रोशनी को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आपके बच्चे की आंखे कमजोर है तो उसकी डाइट में गाजर जरूर शामिल करे। गाजर पाचन संबंधी समस्याओं को भी दूर करता है और मोटापे को कंट्रोल रखने में भी मदद करता है।

सामग्री

1 केजी गाजर
1) लीटर दूध
8 हरी इलायची
5–7 टेबल स्पून घी
1 टेबल स्पून सूखे मेवे
2 टी स्पून किशमिश
1 टेबल स्पून बादाम, गुच्छा
2 टेबल स्पून खजूर, टुकड़ों में कटा हुआ

विधि

गाजर का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले गाजर को साफ पानी से धोकर फिर अच्छे से पोछकर उसे छील लें। उसके बाद गाजर को कद्दूकस करलें। इसके बाद इलायची डालकर दूध ा को हल्की आंच पर उबालें। भारी कढ़ाही में घी को गर्म करें और उसमें कद्दूकस की हुई गाजर डालें और फिर थोड़ी देर बाद दूध भी मिलाएं। दूध ा और गाजर को मीडियम आंच पर पकने दें। जब गाजर का पानी सूख जाए और दूध भी गाढ़ा होने लगे फिस इसमें चीनी डालकर अच्छी तरह मिला लें। जब चीनी घुल जाए फिर हाथों से मावा मैश करके गाजर के हलवे में डाल दें। इस बीच हलवे को चमचे की मदद से हिलाते रहें। अच्छे से पक जाने के बाद उसमें कटे हुए ड्राई फ्रूट्स को मिक्स करें। जब हलवे में से भीनी–भीनी खुशबू आने लग जाए इसका मतलब आपका हलवा बनकर तैयार है। गर्म–गर्म सर्व करें टेस्टी गाजर का हलवा।

इस सरल रेसिपी के जरिए आप घर पर ही बिना किसी झंझट के मीठा बना सकते हैं। अगली बार जब मीठा खाने का मन हो, तो इस गाजर का हलवा को जरूर ट्राई करें!

बिना महंगे प्रोडक्ट्स के पाएं शाइनी और मजबूत बाल, जानिए कैसे!

सर्दी हो या गर्मी, बदलते मौसम का असर हमारे बालों पर साफ नजर आता है। बाल रूखे, बेजान और फ्रिजी हो जाते हैं। इससे बालों का झड़ना और कमजोर होना जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। इन सबके लिए हम कई महंगे हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन वो भी अक्सर मनचाहा असर नहीं दिखा पाते। ऐसे में अगर बिना पैसे खर्च किए, कोई आसान और असरदार नुस्खा मिल जाए तो क्या बात होगी!

नुस्खे के लिए चाहिए ये सामग्री

शैम्पू – 2 चम्मच
एलोवेरा जेल – 1 चम्मच
नारियल का तेल – 1/2 चम्मच
नींबू का रस – 1/2 चम्मच
पानी – 1/2 कप

नुस्खा तैयार करने का तरीका

सबसे पहले एक बाउल लें और उसमें 2 चम्मच शैम्पू डालें। अब इसमें 1 चम्मच एलोवेरा जेल, आधा चम्मच नारियल का तेल और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसके बाद, 1/2 कप पानी डालकर सबकुछ अच्छे से मिक्स कर लें। इस मिश्रण को शैम्पू की तरह अपने बालों पर लगाएं और हल्के हाथों से स्कैल्प की मसाज करें। फिर इसे पानी से धो लें। पहले ही इस्तेमाल के बाद आपके बाल सिल्की और स्मूद हो जाएंगे।

नुस्खे के फायदे

इस नुस्खे में इस्तेमाल की गई सामग्रियां आपके बालों के लिए बेहद फायदेमंद हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल बालों की मरम्मत के लिए एक प्राकृतिक उपाय है। यह बालों को गहराई से रिपेयर करता है और उन्हें मॉइस्चराइज करके रूखेपन को दूर करता है। इसके नियमित उपयोग से डैमेज बाल हेल्दी और चमकदार हो जाते हैं। एलोवेरा जेल बालों के टेक्सचर को भी सुधारता है और स्कैल्प में ठंडक प्रदान करता है। यह हेयर ग्रोथ को बढ़ाने के साथ–साथ बालों की जड़ों को भी मजबूती देता है।

नारियल का तेल

नारियल का तेल बालों की देखभाल का सबसे असरदार और प्राचीन उपाय है। यह बालों को पोषण देकर जड़ों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। नारियल का तेल फ्रिजी बालों को आसानी से मैनेजेबल बनाता है और बालों की प्राकृतिक चमक को बढ़ाता है। यह स्कैल्प को मॉइस्चराइज कर ड्रायनेस और खुजली को दूर करता है, जिससे बालों का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

नींबू का रस

नींबू का रस बालों और स्कैल्प की डीप क्लींजिंग में मदद करता है। यह बालों की जड़ों से गंदगी, डैंड्रफ और एक्स्ट्रा ऑयल को हटाकर उन्हें साफ और ताजा बनाता है। इसके साथ ही यह बालों को हल्का और चमकदार बनाता है। नींबू का रस स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देता है, जिससे बालों की ग्रोथ बेहतर होती है। यह डैंड्रफ और स्कैल्प की अन्य समस्याओं से बचाने में भी कारगर है।

पानी

पानी इस फॉर्मूले को हल्का और बालों के लिए उपयोगी बनाता है। यह बालों की प्राकृतिक नमी को सुरक्षित रखते हुए शैंपू के असर को बढ़ाने में मदद करता है। पानी शैंपू को बालों पर आसानी से फैलाने में सहायक होता है और बाल धोने के दौरान स्कैल्प को एक सुखद अनुभव प्रदान करता है। यह बालों को साफ करने के साथ–साथ उनकी नरमी और चमक को भी बनाए रखता है।

नुस्खे का समग्र प्रभाव

इन सभी सामग्रियों का संयोजन बालों को गहराई से पोषण देने के साथ–साथ उन्हें सिल्की, स्मूथ और हेल्दी बनाता है। यह नुस्खा बालों की फ्रिजीनेस को दूर करने के साथ–साथ उन्हें चमकदार और मैनेजेबल बनाता है। यदि आपके बाल डैमेज्ड हैं या बहुत खराब हालत में हैं, तो यह नुस्खा आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।

इस नुस्खे को कौन ट्राई करे?

अगर आपके बाल रूखे, फ्रिजी और बेजान हो चुके हैं, तो यह नुस्खा आपके लिए एकदम परफेक्ट है। यह न सिर्फ बालों की समस्याओं को दूर करेगा, बल्कि उन्हें हेल्दी और चमकदार भी बनाएगा। अब आपको महंगे हेयर ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस आसान और असरदार नुस्खे को आजमाएं और अपने बालों को घर बैठे खूबसूरत बनाएं।

घुमक्कड़ लोग इन ऑफबीट डेस्टिनेशन पर जरूर घूमने जाएं, यहां आप सुकून के पल बीता सकते हैं

घुमक्कड़ लोग घूमने के लिए कहीं न कहीं ट्रिप का प्लान करते ही रहते है। भागदौड़ भारी जिंदगी से दूर आप भी सुकून के पल बिताने के लिए नई–नई जगहें जरुर तलाश रहे होंगे। इस लेख में हम आपको बताएंगे ऐसे ऑफबीट डेस्टिनेशन, जहां आप घूमने जरुर जाएं। जब आप कहीं जाने के लिए प्लान करते हैं, तो कंफ्यूज रहते है कहां जाएं, जहां शांति और सुकून के साथ समय बिता सकते हैं। यहां हम आपको बताएंगे कि बेस्ट ऑफबीट जगहों के बारे में बता रहे हैं।

जीरों, अरुणाचल प्रदेश

शोर–शराबे से एकदम दूर है यह जगह। अरुणाचल प्रदेश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक जीरो जो कि सुंदरता से भरपूर है। यह भारत का ऑफबीट डेस्टिनेशन में से एक है। इस जगह को चावल के खेतों और देवदार की पहाडियों के लिए जानी जाती है।

गोकर्ण, कर्नाटक

गोकर्ण एक समुद्री शहरों में से एक है। प्राचीन अछूते समुद्र किनारों के लिए फेमस है गोकर्ण और मंदिरों वाला सुंदर शहर है। यहां पर वातावरण काफी आरामदायक है। यहां पर सूर्योदय और सूर्यास्त देखने का मजा ले सकते हैं। यहां पर समुद्र किनारे टेस्टी फूड का मजा ले सकते हैं।

पाटन, गुजरात

गुजरात में पाटन एक ऐसी जगह हैं, जहां शांत वातावरण मौजूद है। यह एक ऑफबीट डेस्टिनेशन है। पाटन पटोला साड़ियों के लिए काफी लोकप्रिय है, जो दुनिया के बेहतरीन हाथ से बने कपड़ों में से एक है।

ताडोबा, महाराष्ट्र

अगर आप महाराष्ट्र जाने की सोच रहे हैं, तो आप नेशनल पार्क ताडोबा–अंधारी टाइगर रिजर्व, ताडोबा झील, एराई बांध, मोहरली और खोसला गांव के लिए जाना जाता है। यहां पर एक टाइगर रिजर्व भी है और एक महाराष्ट्र में सबसे बड़ा है। यहां सफारी के लिए जाएं या जंगल में रह भी सकते हैं।

सर्दियों में कम पानी पीने से हो सकता है डिहाइड्रेशन, शरीर में दिखने लगते हैं ऐसे लक्षण

सर्दियों के मौसम में डिहाइड्रेशन होना एक गंभीर समस्या होती है। सर्दियों में पसीने की मात्रा भले ही कम होती है, लेकिन डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। शरीर में पानी की कमी होने पर कई जरूरी प्रक्रियाएं प्रभावित होने लगती हैं। इसलिए सर्दियों में भी पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना चाहिए। हमेशा शरीर हाइड्रेटेड रहने की कोशिश करें। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, शरीर को अपनी सभी प्रक्रियाएं सही रूप से करने के लिए पानी की जरूरत होती है। ऐसे में आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ ऐसे लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे आप यह पता लगा सकते हैं कि कहीं आपके शरीर में तो पानी की कमी नहीं है। क्योंकि ठंड में प्यास कम लगती है और हम हाइड्रेशन पर भी ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते हैं।

थकावट और कमजोरी लगना

शरीर में पानी की कमी होने पर थकावट और कमजोरी होना आम बात है। सर्दियों में अगर आप अधिक कमजोर या फिर थका हुआ महसूस कर रहे हैं, तो इसके पीछे का कारण डिहाइड्रेशन हो सकता है। कोशिकाओं और अंगों को सही तरीके से कार्य करने के लिए पानी की जरूरत होती है। अगर पानी की कमी हो, तो सेल्स अपना काम ठीक से नहीं कर पाती हैं। वहीं शरीर का एनर्जी लेवल भी कम हो जाता है। इसकी वजह से थकान और कमजोरी का एहसास होता है। अगर आपको भी ऐसे ही लक्षण नजर आते हैं, तो यह सुनिश्चित करें कि शरीर में कहीं पानी की कमी तो नहीं है।

स्किन में रूखापन

पानी की कमी का सबसे बड़ा संकेत स्किन में रूखापन होना है। जब शरीर में हाइड्रेशन की कमी हो जाती है, तो स्किन की नमी भी कम होने लगती है। इसकी वजह से स्किन में सूखापन और खिंचाव महसूस होने लगता है। सर्दियों में हवा ड्राई होती है, जिससे ड्राइनेस की समस्या अधिक बढ़ सकती है। शरीर में पानी की कमी होने पर ब्लड फ्लो पर भी इसका असर पड़ता है। पानी की कमी से स्किन मुरझाई हुई नजर आने लगती है।

मुंह सूखना

डिहाइड्रेशन होने की वजह से मुंह और आंखों में सूखापन लगता है। मुंह सूखना शरीर में पानी की कमी का संकेत है। शरीर में पानी की कमी होने पर आंसू बनने की प्रक्रिया पर बुरा असर पड़ता है और आंखें सूखी–सूखी नजर आती है। सर्दियों में यह समस्या अधिक होती है, क्योंकि इस मौसम में लोग कम पानी पीते हैं और एटमॉस्फेयर में भी कम नमी होती है। बता दें कि मुंह सूखने की वजह से ताजगी का एहसास नहीं होता है।

पेट की समस्याएं

शरीर में पानी की कमी होने पर पेट से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इससे हमारा डाइजेशन स्लो हो जाता है और कब्ज की समस्या हो सकती है। सर्दी के मौसम में अक्सर लोग कम पानी पीते हैं और आंतों में पानी की कमी होने पर मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है। गैस, अपच और कब्ज की समस्याएं पैदा हो सकती है। यह वेट बढ़ने का भी कारण बन सकता है। ऐसे में शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बनाए रखने के लिए बार–बार पानी पीना चाहिए और पाचन तंत्र को मजबूत बनाएं।

सिर में भारीपन और दर्द

सर्दियों के मौसम में अगर आपके सिर में भी दर्द होता है, तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक लक्षण हो सकता है। शरीर में पानी की कमी होने पर ब्लड फ्लो और ब्रेन के फंक्शनिंग पर असर डालता है। जिसकी वजह से सिर दर्द की समस्या होती है। हमारी बॉडी सेल्स में पानी की कमी होने की वजह से हर अंग सही तरीके से कार्य नहीं कर पाता है। इस असुविधा की वजह से सिर दर्द की समस्या हो सकती है। सर्दी से बचने के लिए हम सभी गर्म कपड़े पहनते हैं। वहीं कम मात्रा में पानी पीने की वजह से नियमित रूप से सिर दर्द की समस्या हो सकती है।

संक्षिप्त

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अगले पांच वर्षो के लिए जारी रखने को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को अगले पांच वर्षों के लिए जारी रखने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने विपणन सीजन 2025–26 के लिए कच्चे जूट के एमएसपी को 5,650 रुपये प्रति क्विंटल मंजूर किया है। मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मिशन ने पिछले 10 वर्षों में ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किए हैं। गोयल ने बताया कि 2021 और 2022 के बीच लगभग 12 लाख स्वास्थ्य कार्यकर्ता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में शामिल हुए और भारत ने इस मिशन के तहत कोविड–19 महामारी से लड़ाई लड़ी।

कैबिनेट ने कच्चे जूट का एमएसपी 6ः बढ़ाकर 5,650 रुपये प्रति क्विंटल किया

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को विपणन सत्र 2025–26 के लिए कच्चे जूट के लिए 5,650 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य को मंजूरी दे दी, जो पिछले एमएसपी से छह प्रतिशत या 315 रुपये अधिक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि नया एमएसपी अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर 66.8 प्रतिशत का लाभ सुनिश्चित करता है और इससे उत्पादकों को लाभ होगा। सरकार ने कच्चे जूट का एमएसपी 2014–15 के 2,400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2025–26 विपणन सत्र के लिए 5,650 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जो 2.35 गुना वृद्धि है।

शेयर बाजार में लौटी हरियाली; सेंसेक्स 500 अंक चढ़ा, निफ्टी 23150 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन हरियाली लौट आई और बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 565.09 (0.75:) अंकों की बढ़त के साथ 76,403.45 पर पहुंच गया।

दूसरी ओर, निफ्टी 130.70 (0.57:) अंक मजबूत होकर 23,155. 35 पर बंद हुआ। इस दौरान आईटी शेयरों में मजबूती दिखी। बुधवार को एचडीएफसी बैंक ने अपने नतीजे जारी किए। तीसरी तिमाही में बैंक का मुनाफा 2: बढ़कर 16,736 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

मेटा की पूर्व सीओओ पर ईमेल डिलीट करने पर रोक, कैंब्रिज एनालिटिका से जुड़ा है मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा की पूर्व मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) शेरिल सैंडबर्ग को कैंब्रिज एनालिटिका गोपनीयता मामले से जुड़े ईमेल डिलीट करने के लिए अदालत द्वारा दंडित किया गया है। गौरतलब है कि शेरिल सैंडबर्ग को उन ईमेल्स को सुरक्षित रखने के लिए कहा गया था। डेलावेयर की अदालत के जज वाइस चांसलर ट्रैविस लास्टर ने कहा कि सबूतों से पता चलता है कि सैंडबर्ग ने फर्जी नाम से एक व्यक्तिगत ईमेल खाता बनाया और उनमें से कुछ ईमेल्स को पहले ही हटा दिया, जो संभवतः मामले के हितधारकों से जुड़े थे। प्रतिबंध के चलते अब शेरिल सैंडबर्ग के सामने अपना पक्ष रखना और अप्रैल में होने वाले आठ दिवसीय, गैर–जूरी परीक्षण में देयता से बचना मुश्किल हो जाएगा। जज ने शेरिल को शेयरधारकों द्वारा किए गए प्रतिबंध प्रस्ताव से संबंधित खर्चों का भुगतान करने का भी आदेश दिया। हालांकि सैंडबर्ग ने अपने जीमेल खाते से कुछ ईमेल्स पहले ही हटा दिए हैं, इसलिए आशंका है कि मामले से जुड़ी अहम और संवेदनशील जानकारी पहले ही खत्म हो चुकी है। अदालत द्वारा शेरिल पर प्रतिबंध लगाने पर अभी तक मेटा या सैंडबर्ग की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

क्या है मामला

यह मामला साल 2018 का है, जब फेसबुक पर लाखों उपयोगकर्ताओं के डेटा को कैंब्रिज एनालिटिका द्वारा एक्सेस करने की अनुमति देने का आरोप लगा था। कैंब्रिज एनालिटिका एक राजनीतिक परामर्श फर्म है, जिसने साल 2016 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए डोनाल्ड ट्रम्प के प्रचार अभियान का काम किया था। कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों पर उपयोगकर्ताओं के इस्तेमाल और संघीय व्यापार आयोग के साथ साल 2012 के सहमति आदेश का उल्लंघन करके निवेशकों को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगे थे। हितधारकों ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी के बोर्ड ने साल 2019 में संघीय व्यापार आयोग को 5 अरब डॉलर का बड़ा जुर्माना देने के लिए सौदेबाजी की ताकि मेटा संस्थापक मार्क जुकरबर्ग की व्यक्तिगत जवाबदेही न हो। कोर्ट के रिकॉर्ड के अनुसार, मुकदमे की शुरुआत से पहले जुकरबर्ग के दूसरी बार पेश होने की उम्मीद है। हितधारकों ने जज लॉस्टर से जेफरी जिएंट्स को दंडित करने के लिए भी कहा, जो पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के चीफ ऑफ स्टाफ थे और जिन्होंने मेटा के बोर्ड में रहते हुए व्यक्तिगत ईमेल का इस्तेमाल किया और उन्हें डिलीट भी किया। हालांकि जज ने कहा कि जिएंट्स कैम्ब्रिज एनालिटिका मामले के बाद मेटा बोर्ड में शामिल हुए थे और कंपनी के अधिकारी नहीं थे।

रणजी ट्रॉफी में लंबे समय बाद दिखेगी सितारों की परेड, विराट कोहली से लेकर यशस्वी जायवाल तक दिखेंगे खेलते हुए

गुरुवार से रणजी ट्रॉफी का दूसरा चरण शुरू होगा तो उसमें लंबे समय बाद रोहित शर्मा और ऋषभ पंत जैसे स्टार खिलाड़ी खेलते हुए नजर आएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद सख्त रवैया अपनाते हुए किसी भी खिलाड़ी के फिट होने की स्थिति में घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया है।

रणजी ट्रॉफी का दूसरा चरण जब गुरुवार से शुरू होगा तो उसमें लंबे समय बाद रोहित शर्मा और ऋषभ पंत जैसे स्टार खिलाड़ी खेलते हुए नजर आएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद सख्त रवैया अपनाते हुए किसी भी खिलाड़ी के फिट होने की स्थिति में घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया है। यही वजह है कि शीर्ष खिलाड़ियों ने रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए खुद को उपलब्ध रखा है। इनमें भारतीय कप्तान रोहित भी शामिल हैं जो लगभग एक दशक के बाद मौजूदा चौंपियन मुंबई की तरफ से रणजी ट्रॉफी में खेलेंगे। पहली बार इस सत्र में रणजी ट्रॉफी को दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। इस बीच सीमित ओवरों की दो सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी एक दिवसीय टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में सभी टीमों ने पांच–पांच मैच खेले थे। दूसरे चरण में प्रत्येक टीम दो–दो मैच खेलेगी। इन मैच में केवल टीम ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए भी काफी कुछ दांव पर लगा होगा जिन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला और फिर ऑस्ट्रेलिया में खराब प्रदर्शन के बाद स्पष्ट कह दिया गया कि वे घरेलू क्रिकेट को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली गर्दन में खिंचाव के कारण दिल्ली की तरफ से रणजी ट्रॉफी के अगले दौर में नहीं खेल पाएंगे लेकिन उन्होंने 30 जनवरी से शुरू होने वाले ग्रुप चरण के अंतिम दौर के मैच के लिए खुद को उपलब्ध रखा है। रोहित हालांकि अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में मुंबई की तरफ से खेलने के लिए तैयार हैं। मुंबई को अगले मैच में जम्मू कश्मीर की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जो अभी एलीट ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर है। रोहित इस मैच में यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज कर सकते हैं। इस ग्रुप में बड़ौदा अभी शीर्ष पर काबिज है और मुंबई को रिकॉर्ड 43वीं बार चौंपियन बनने की अपनी उम्मीद को कायम रखने के लिए अगले दो मैच में दमदार प्रदर्शन करना होगा। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित पिछली दो श्रृंखलाओं में रन बनाने के लिए जूझते रहे और ऐसे में उनका फॉर्म में लौटना भारतीय टीम की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा जिसे अगले महीने चौंपियंस ट्रॉफी में भाग लेना है। राजकोट में दिल्ली का सामना दो बार के विजेता सौराष्ट्र से होगा जिसमें ऋषभ पंत का सामना राष्ट्रीय टीम के अपने साथियों रविंद्र जडेजा और चेतेश्वर पुजारा से होगा। दोनों टीम के लिए ग्रुप डी के इस मैच में जीत हासिल करना बेहद जरूरी है। दिल्ली अभी चौथे जबकि सौराष्ट्र पांचवें स्थान पर है। तमिलनाडु और चंडीगढ़ इस ग्रुप में पहले दो स्थान पर हैं। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। पंजाब में ग्रुप सी में पांच मैच में अभी तक केवल एक जीत हासिल की है और वह पांचवें स्थान पर है लेकिन जब उसकी टीम बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में कर्नाटक का सामना करेगी तो सभी की निगाहें भारतीय वनडे टीम के उप कप्तान शुभमन गिल पर टिकी रहेंगी। पंजाब को इस मैच में अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह की कमी खलेगी जो इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल हैं। दूसरी तरफ कर्नाटक कोदेवदत्त पडिक्कल और प्रसिद्ध कृष्णा की वापसी सेमजबूती मिलेगी। बंगाल को कल्याणी में हरियाणा के खिलाफ होने वाले मैच में तेज गेंदबाज आकाशदीप और बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी। यह दोनों खिलाड़ी चोटिल हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी राष्ट्रीय टीम का हिस्सा होने के कारण बंगाल की तरफ से नहीं खेल पाएंगे। रणजी ट्रॉफी में पिछले साल का उपविजेता और हाल में विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में कर्नाटक से हारने वाला विदर्भ जयपुर में ग्रुप बी के मैच में राजस्थान का सामना करेगा। इस मैच में निगाहें विदर्भ के कप्तान करुण नायर पर टिकी रहेंगी जो इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं।

गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह की बादशाहत बरकरार, बल्लेबाजों में रोहित–पंत को हुआ बड़ा नुकसान

आईसीसी ने बुधवार को ताजा रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। वहीं रविंद्र जडेजा ने ऑलराउंडर्स की श्रेणी में अपना टॉप स्थान बरकरार रखा है। बुमराह ने जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी से पहले 907 अंक हासिल किए थे और इतिहास रचा था। ये किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा उच्चतम आईसीसी रैंकिंग रेटिंग है। फिलहाल, उनकी 908 रेटिंग है और जो कि उनकी सर्वश्रेष्ठ रेटिंग है। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस 841 रेटिंग अंकों के साथ टेस्ट गेंदबाजों में दूसरे और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा 837 रेटिंग अंकों के साथ गेंदबाजों में तीसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड चौथे और दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन पांचवें स्थान पर हैं। मुल्तान में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में 6 विकेट लेने के बाद पाकिस्तान के नोमान अली (761) टॉप 10 में पहुंच गए हैं। वह दो स्थान की छलांग के साथ नौवें स्थान पर हैं। साथ ही टॉप 10 टेस्ट गेंदों में 10वें स्थान पर भारत के रविंद्र जडेजा हैं। टेस्ट फॉर्मेट में टॉप 10 ऑलराउंडर्स की सूची में ज्यादा बदलाव नहीं हुए हैं। जडेजा 400 रेटिंग अंकों के साथ टॉप स्थान पर बरकरार हैं। उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन हैं। उनका रेटिंग अंक 294 है। बांग्लादेश के मेहदी हसन 284 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस 282 रेटिंग अंकों के साथ चौथे और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन 263 रेटिंग अंकों के साथ ऑलराउंडरों में पांचवें नंबर पर हैं। वहीं टेस्ट बल्लेबाजों में टॉप स्थान पर इंग्लैंड के जो रूट हैं। उनके रेटिंग अंक 895 है। वहीं दूसरे स्थान पर 876 रेटिंग अंकों के साथ इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक हैं। तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन हैं। उनके रेटिंग अंक 867 हैं। भारत के यशस्वी जायसवाल 847 रेटिंग अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। जबकि ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड 772 रेटिंग अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजों में टॉप 10 में भारत के दो खिलाड़ी हैं। यशस्वी जायसवाल के अलावा ऋषभ पंत हैं। पंत को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह 10वें स्थान पर लुढ़क गए हैं। खराब फॉर्म में चल रहे विराट कोहली 26वें, जबकि शुभमन गिल 22वें स्थान पर हैं।

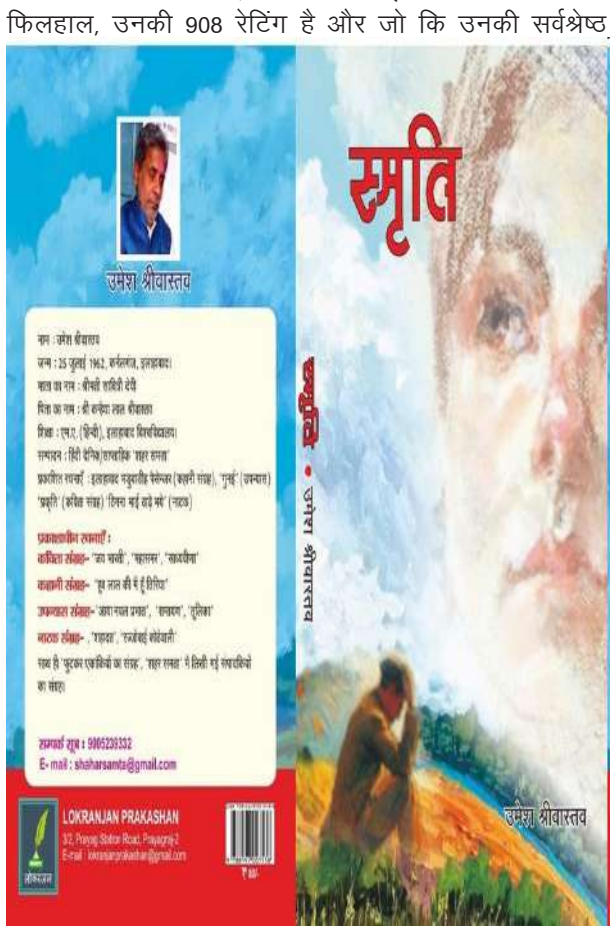

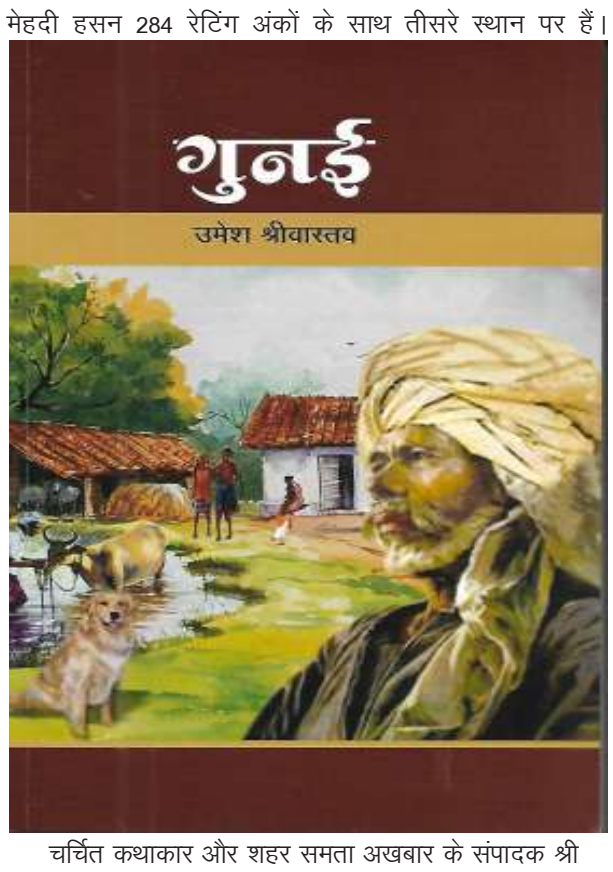

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

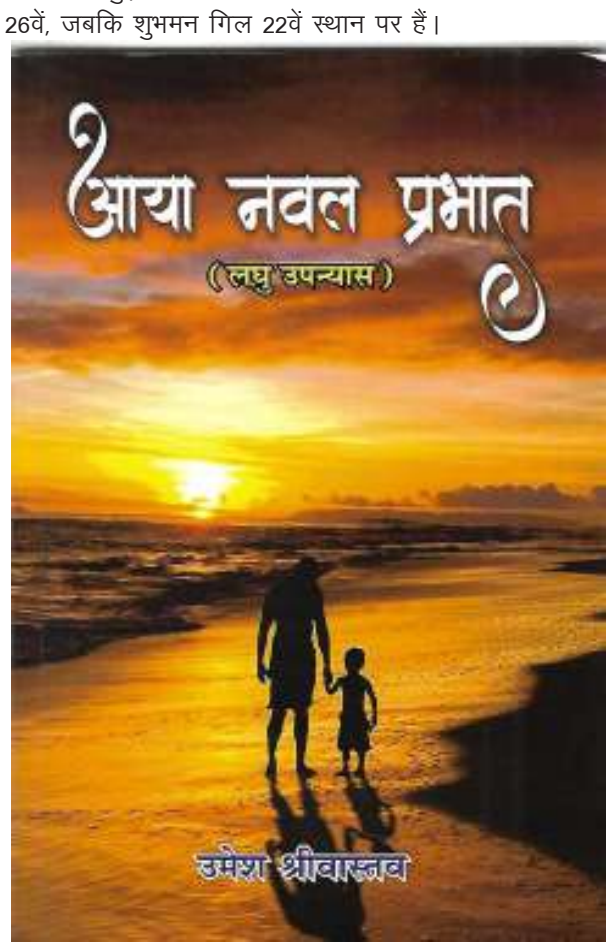

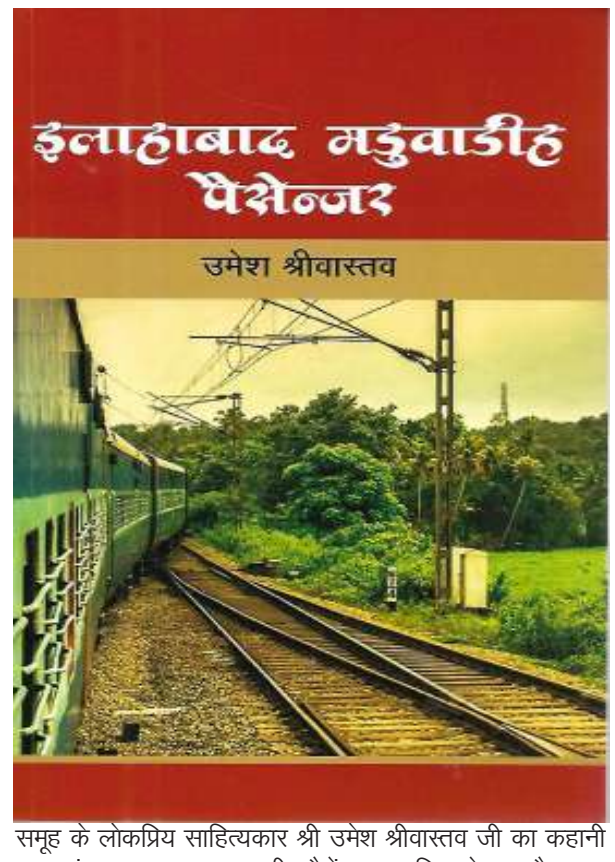

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

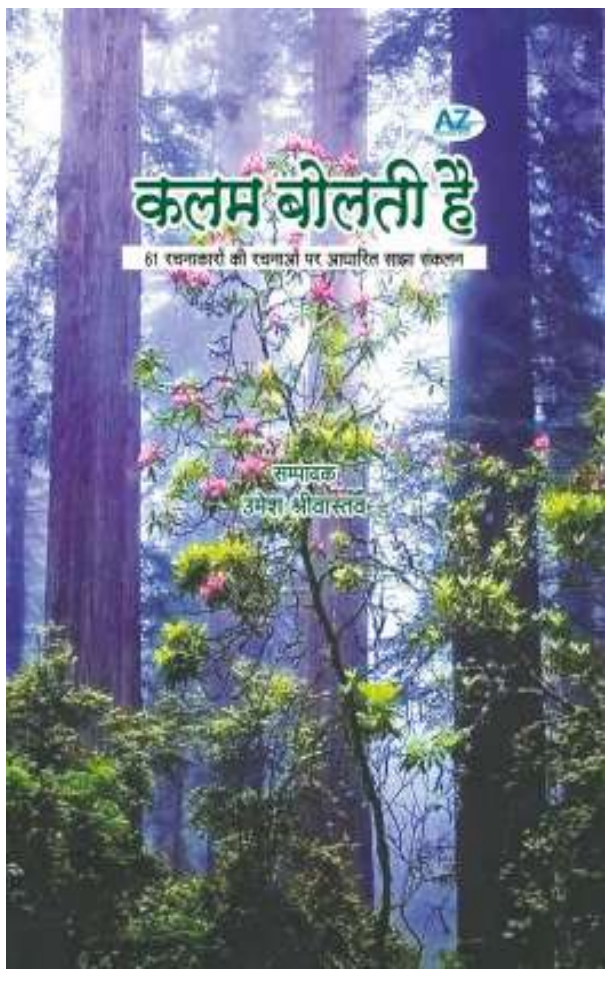

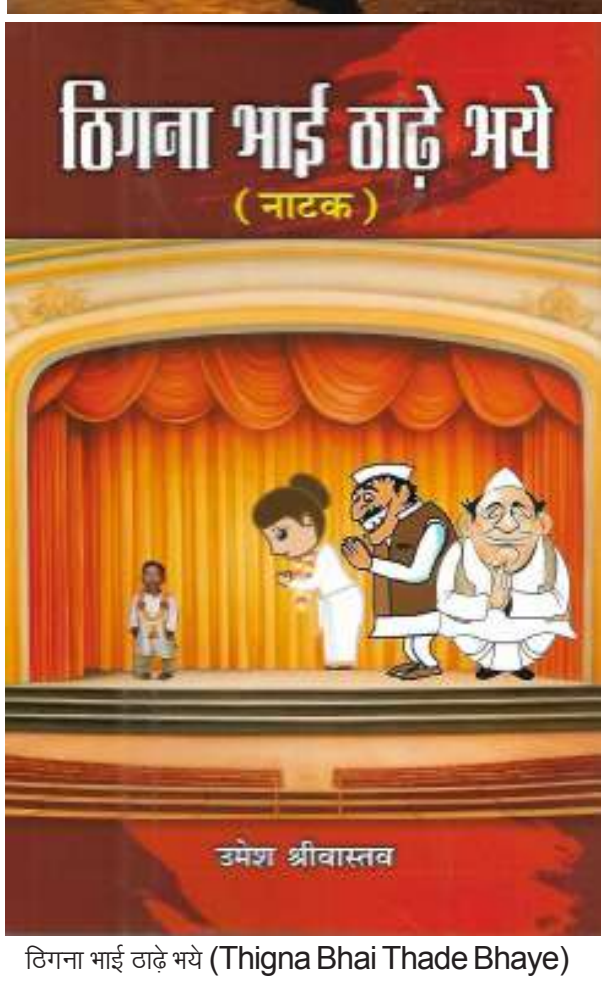

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप ने 500 अरब अमेरिकी डॉलर की एआई पहल की घोषणा की

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नई कंपनी के माध्यम से कृत्रिम मेधा (एआई) बुनियादी ढांचे में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की है। इसे ओरेकल, सॉफ्टबैंक और ओपन एआई के साथ साझेदारी में बनाया जा रहा है। 'स्टारगेट' नामक यह उद्यम, अमेरिकी डेटा केंद्रों में

प्रौद्योगिकी कंपनियों के महत्वपूर्ण निवेश को दर्शाता है। ये तीनों कंपनियों ने इस उद्यम के लिए वित्तीय मदद करने की योजना बनाई है। अन्य निवेशक भी इसमें निवेश कर पाएंगे। इसकी शुरुआत टेक्सास में निर्माणाधीन 10 डेटा केंद्रों से होगी। ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में ओरेकल के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी लैरी एलिसन, सॉफ्टबैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मासायोशी सोन और ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन के साथ इसकी घोषणा की। राष्ट्रपति ने कहा, ''उस नाम को अपनी पुस्तकों में लिख लें क्योंकि मुझे लगता है कि आप भविष्य में इसके बारे में बहुत कुछ सुनने वाले हैं। एक नई अमेरिकी कंपनी जो अमेरिका में एआई बुनियादी ढांचे में 500 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी और बेहद तेजी से आगे बढ़ेगी तथा तुरंत 1,00,000 से अधिक अमेरिकी नौकरियों का सृजन करेगी।'' उन्होंने कहा, '' स्टारगेट तुरंत काम शुरू करेगा, ताकि एआई में अगली पीढ़ी की प्रगति को बढ़ावा देने के लिए भौतिक तथा आभासी बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा सके।

हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर अली हमादी की गोली मारकर हत्या, घर के सामने मारी छह गोलियां

बेरूत, एजेंसी। पूर्वी लेबनान के बेका घाटी क्षेत्र में अज्ञात बंदूकधारियों ने मंगलवार को हिजबुल्ला नेता शेख मुहम्मद अली हमादी की गोली मारकर हत्या कर दी। टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार हिजबुल्ला के स्थानीय कमांडर हमादी को पश्चिमी बेका जिले के मचघरा में उनके घर के पास छह बार गोली मारी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमादी को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ ही देर में इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि पारिवारिक झगड़े के संदेह में घटना को अंजाम दिया गया है। लेबनानी अधिकारियों ने इसकी जांच शुरू कर दी है। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट में हत्या के पीछे इस्राइल का हाथ बताया जा रहा है। मोहम्मद अली हमादी यूएस की संघीय एजेंसी एफबीआई के मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में भी शामिल था। उसने एथेंस से रोम जा रहे 153 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों वाले विमान को हाईजैक कर लिया था। बीते साल नवंबर में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच युद्धविराम समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत दोनों पक्षों में 13 माह से चल रही लड़ाई बंद हुई थी। समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान में लेबनानी आर्मी को तैनात किया जाना था और हिजबुल्ला और इस्राइल अपनी–अपनी सेनाएं हटाएंगे। हालांकि दोनों ही पक्षों ने एक दूसरे पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया था। समझौते के तहत इस्राइल को 26 जनवरी तक दक्षिणी लेबनान से अपने सैनिकों को वापस बुलाना है। इस बीच हिजबुल्ला को इस्राइल की सीमा से लिटानी नदी के उत्तर में पीछे हटना होगा। जैसे ही इस्राइली सेना दक्षिणी लेबनान से हटेगी, लेबनानी सेना इन खाली क्षेत्रों में हजारों सैनिकों को तैनात करेगी। इसके साथ ही लेबनानी सेना दक्षिणी लेबनान में पहले से ही मौजूद संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षक बल को भी तैनात करेगी। अब हिजबुल्ला नेता की हत्या के बाद समझौते पर संशय के बादल मंडरा रहे हैं।

तुर्किये अग्निकांड में पुलिस ने नौ लोगों को किया गिरफ्तार, हादसे में 76 लोगों की गई थी जान; जांच जारी

अंकारा, एजेंसी। मंगलवार तड़के तुर्किये के स्की रिसॉर्ट में भीषण आग लगने से 76 लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में हरकंप मच गया। अग्निकांड में मृतक लोगों के शव इतनी बूरी तरह से झुलसे है कि उनकी पहचान के लिए डीएनए टेस्ट की आवश्यकता पड़ने लगी है। बता दें कि यह हादसा तुर्कीय के बोलू पर्वतों में स्थित कार्तलकाया स्की रिसॉर्ट के 12–मंजिला ग्रैंड कार्तल होटल के रेस्तां क्षेत्र में हुआ था। इसी बीच खबर सामने आ रही है कि हादसे की जांच के दौरान बुधवार को पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इसको लेकर तुर्कीय के आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने कहा कि सुरक्षाउपायों को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। इस घटना की जांच के लिए छह अभियोजकों को नियुक्त किया गया है। इस अग्नीकांड में मारे गए 76 लोगों के शव की पहचान को लेकर कई सारी बातें सामने आ रही है। इसको लेकर मंत्री येरलिकाया ने बताया कि 45 मृतकों के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। वहीं बाकी की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण किए जा रहे हैं। आग का अलार्म सही तरीके से नहीं किया काम मीडिया रिपोर्ट की माने तो होटल की आग का अलार्म सिस्टम सही तरीके से काम नहीं किया। इसकी जानकारी हादसे में कई अन्य बचे हुए लोगों ने दी। उन्होंने कहा कि आग का अलार्म नहीं बजा और उन्हें अंधेरे और धुएं से भरे गलियारों में से गुजरना पड़ा। कुछ लोग खिड़कियों से कूद कर बचने की कोशिश करते नजर आए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

226 साल पुराने कानून के आगे अदालत भी मजबूर, मास डिपोर्टेशन के लिए ट्रंप ने बनाया कौन सा धांसू प्लान

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में पद संभालते ही डोनाल्ड ट्रंप ने नीतिगत बदलावों से जुड़े 100 से ज्यादा आदेश जारी किए। इनमें अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना, मेक्सिको बॉर्डर पर इमरजेंसी, जन्म से मिलने वाली नागरिकता के खात्मे की ओर कदम बढ़ाना अहम हैं। ट्रंप के फैसलों में डब्लूएचओ और पैरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर निकालना, 6 जनवरी के कैपिटल हिल (संसद भवन परिसर में हिंसा) मामले में 1600 समर्थकों को माफी देना और टिकटॉक को राहत देना भी अहम हैं। अपने इलेक्शन कैंपेन के दौरान भी ट्रंप अक्सर इनका जिक्र करते नजर आए थे। इनहीं चुनावी वादों में से एक के बारे में 4 नवंबर की रैली में जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा था कि वो अमेरिकी जमीन पर रह रहे हरेक अवैध प्रवासी को हटाने के लिए 1798 के एलियन एनेमी एक्ट को लागू करेंगे। ट्रम्प ने अपने उद्घाटन भाषण में यह भी कहा कि हम कार्टेल को विदेशी आतंकवादी संगठनों के रूप में भी नामित करेंगे और 1798 के विदेशी शत्रु अधिनियम को लागू करके हमारी सरकार को अमेरिकी धरती पर विनाशकारी अपराध लाने वाले सभी विदेशी गिरोहों और आपराधिक नेटवर्क की उपस्थिति को खत्म करने के लिए संघीय और राज्य कानून प्रवर्तन की पूर्ण और विशाल शक्ति का उपयोग करने का निर्देश दूंगा। बता दें कि ट्रंप ने अपने डिपोर्टेशन के प्लान को अमलीजामा पहनाने के लिए टॉम होमन को नियुक्त किया है। इसे मास डिपोर्टेशन भी कहा जा रहा है।

1798 का विदेशी शत्रु अधिनियम क्या है?

1798 के एलियन एंड सेडिशन एक्ट के अंतर्गत खास तौर पर एलियन फ्रेंड एक्ट और एलियन एनिमी एक्ट में उन प्रावधानों को शामिल किया गया था जो विदेशी नागरिकों को अमेरिका से निर्वासित करने से संबंधित थे। ये कानून अमेरिकी सरकार द्वारा संभावित विदेशी खतरों और आलोचनाओं को नियंत्रित करने के लिए पास किए गए थे। कानून राष्ट्रपति जॉन एडम्स के कार्यकाल के दौरान पास किए थे। अधिनियम अमेरिकी राष्ट्रपति को यह आदेश देने का अधिकार देता है कि ऐसे सभी एलियंस जिन्हें वह संयुक्त राज्य अमेरिका की शांति और सुरक्षा के लिए खतरनाक मानते हैं, या जिनके पास सरकार के खिलाफ किसी भी देशद्रोही या गुप्त साजिश में शामिल होने का संदेह करने का उचित आधार को निर्वासित करने का आदेश देता है। यूएस नेशनल आर्काइव्स वेबसाइट के अनुसार, फ्रांस के साथ प्रत्याशित युद्ध की तैयारी में पारित, एलियन और सेडिशन अधिनियम ने विदेशी मूल के अमेरिकियों पर प्रतिबंध कड़े कर दिए और सरकार की आलोचना करने वाले सीमित भाषण दिए।

ये 4 कानूनों का एक समूह है

नैचुरलाइजेशन एक्ट (18 जून 1798)– ये नागरिकता पाने के लिए आवश्यक निवास की अवधि को 5 साल से बढ़ाकर 14 साल करता है।

एलियन फ्रेंड एक्ट (25 जून 1798)– निर्वासन के लिए किसी कानूनी प्रक्रिया या सबूत की आवश्यकता नहीं होती। इस फैसले को अदालत में भी चुनौती नहीं दी जा सकती।

एलियन एनिमी एक्ट (6 जुलाई, 1798)– अमेरिका किसी विदेशी देश के साथ युद्ध में हो, तो उस देश के नागरिकों को हिरासत में लिया जा सकता है या निर्वासित किया जा सकता है।

एनिमी एक्ट 1798 (14 जुलाई 1798)– प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाया जाता है।

कब–कब लागू हुआ है ये कानून?

अमेरिका के इहहिता में इस कानून को अब तक तीन बार लागू किया जा चुका है। हर बार इसे युद्ध के हालातों में ही लागू किया गया है। पहली बार 1812 में और दूसरी बार पहले विश्व युद्ध व तीसरी बार दूसरे विश्व युद्ध के दौरान इसे लागू किया गया था। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान लाखों विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया था।

ट्रंप के नए मंत्री के साथ जयशंकर की बड़ी बैठक, चीन को दे दिया सख्त संदेश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथग्रहण समारोह के बाद भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की अमेरिका में एक के बाद एक बड़ी बैठक शुरू हो गई। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर केवल मेहमान के तौर पर शपथग्रहण समारोह का हिस्सा बनने के लिए नहीं पहुंचे थे बल्कि ट्रंप की नई सरकार और उनकी टीम के साथ एक अहम मीटिंग करने के लिए पहुंचे थे। भारत अमेरिका के संबंधों और इसके अलावा वैश्विक मुद्दों को लेकर अमेरिका की नई सरकार के साथ भारत की चर्चा बहुत खास थी। ये भारत की ताकत को भी दिखाता है। जिस वक्त अमेरिका में दुनियाभर से आए मेहमानों की मौजूदगी है। तब सबसे ज्यादा प्राथमिकता क्वाड के विदेश मंत्रियों और भारत के विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर को दी गई। सबसे पहले तो एस जयशंकर की द्विपक्षीय वार्ता ट्रंप के मंत्रियों के साथ हुई। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने अमेरिका के नए विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने अमेरिका में ट्रंप सरकार के साथ पहली बार बातचीत की है। ट्रंप के विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ उनकी ये पहली द्विपक्षीय बैठक थी। जिसमें भारत और अमेरिका के संबंधों को लेकर बात हुई। इस मुलाकात के दौरान टेक्नोलॉजी, डिफेंस और एनर्जी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई है। मीटिंग के दौरान द्विपक्षीय साझेदारी की भी समीक्षा की गई है। चीन की बढ़ती मुखरता और आक्रामकता पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके पूर्ववर्तियों ने गहरी चिंता व्यक्त की है। बैठक ट्रंप के कार्यकाल के पहले दिन और रूबियो के अमेरिका के शीर्ष राजनयिक के रूप में शपथ लेने के कुछ ही घंटों बाद हुई। इससे स्पष्ट होता है कि 'क्वाड' ट्रंप के लिए प्राथमिकता बनी रहेगी। विदेश मंत्री ने अमेरिका के नए सिक्योरिटी एडवाइजर माइकल वाल्ज से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री जयशंकर ने दोनों के साथ मुलाकात से जुड़ी तस्वीरें एक्स पर भी पोस्ट की हैं। आपको बता दें कि क्वाड की स्थापना 2007 में उन देशों को साथ लाने के लिए की गई थी, जिन्होंने 2004 में हिंद महासागर में आए विनाशकारी भूकंप और सुनामी की प्रतिक्रिया में मिलकर काम किया था। इसके सदस्य इसकी कूटनीतिक प्रकृति और क्षेत्रीय मुद्दों पर व्यापक ध्यान केंद्रित करने पर जोर देते हैं, जिसमें बुनियादी ढांचा, मानवीय सहायता, आपदा राहत, जलवायु परिवर्तन और समुद्री सुरक्षा शामिल है। भले ही सुरक्षा इसका एक हिस्सा है, लेकिन 'क्वाड' क्षेत्र में चीन की बढ़ती मुखरता और विशाल क्षेत्रीय दावों का मुकाबला करने की अमेरिकी रणनीति का एक प्रमुख घटक है, जिसमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दक्षिण चीन सागर और ताइवान का लोकतांत्रिक स्वशासित द्वीप शामिल है।

ताकत द्वारा यथास्थिति में बदलाव का विरोध करेंगे, क्वाड देशों ने साझा बयान से चीन को चेताया

वॉशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद क्वाड की विदेश मंत्री स्तर की पहली बैठक अमेरिका में आयोजित हुई। बैठक के बाद एक साझा बयान में क्वाड देशों, भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया, ने कहा कि बलपूर्वक किसी भी एकतरफा बदलाव की कार्रवाई का सख्ती से विरोध किया जाएगा। इस बैठक का आयोजन अमेरिका के नए विदेश मंत्री मार्को रूबियो

ने किया, जिसमें भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री इवाया ताकेशी शामिल हुए।

क्वाड देशों ने साझा बयान में क्या कहा

एक घंटे के करीब चली इस बैठक के बाद साझा बयान जारी किया गया। जिसमें कहा गया कि 'हमारे चारों राष्ट्र इस बात पर दृढ़ हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानून, आर्थिक अवसर, शांति, स्थिरता और समुद्र सहित सभी क्षेत्रों में सुरक्षा, हिंद–प्रशांत क्षेत्र के लोगों के विकास और समृद्धि का आधार हैं। हम बल या दबाव के जरिए यथास्थिति को बदलने की किसी भी एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध करेंगे।' गौरतलब है कि क्वाड का वार्षिक सम्मेलन इस साल के अंत में भारत में होना है। पिछले साल हुआ सम्मेलन असल में भारत में होना प्रस्तावित था, लेकिन अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन उसे अमेरिका में आयोजित करने के इच्छुक थे, इसके चलते भारत में क्वाड के आयोजन को टाल दिया गया था और इस साल उसका आयोजन होगा।

चीन की चुनौती से निपटने के लिए हुआ था क्वाड का गठन

क्वाड भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक कूटनीतिक साझेदारी है, जिसका उद्देश्य हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र को मुक्त, स्थिर, समृद्ध, समावेशी और लचीला बनाए रखना है। क्वाड का गठन साल 2017 में हुआ था। इसे हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती चुनौती का जवाब माना जाता है। चीन हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में लगातार अपनी मौजूदगी और प्रभाव बढ़ा रहा है। चीन का इस क्षेत्र में कई देशों के साथ सीमा विवाद भी है। चीन पूरे दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन के कुछ इलाकों पर अपना दावा करता है। इसके चलते चीन का फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रूनेई और ताइवान के साथ चीन का विवाद चल रहा है। साझा बयान में ये भी कहा गया है कि क्वाड के सदस्य देश इसकी मजबूती के लिए काम करते रहेंगे और आने वाले महीनों में तय समय पर मुलाकातें होती रहेंगी। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि श्क्वाड बैठक से साफ संदेश दिया गया है कि अस्थिर और संवेदनशील दुनिया में क्वाड एक अच्छी वैश्विक ताकत बना रहेगा।'

खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते मजे से कैपिटल हिल में घूमता नजर आया आतंकी पन्नू, ट्रंप की टीम से क्या सच में मिला था इनविटेशन

डोनाल्ड ट्रंप के शपथग्रहण समारोह के दौरान एक असामान्य दृश्य देखने को मिला। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का चीफ गुरपतवंत पन्नू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शपथग्रहण समारोह में पहुंचा हुआ था। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत पन्नून ने 'खालिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है जिसमें पन्नून कार्यक्रम में भीड़ के बीच नजर आ रहे हैं और नारा लगा रहे हैं। यह द लिबर्टी बॉल के आधिकारिक उद्घाटन के दौरान हुआ। सिख फॉर जस्टिस के जनरल काउंसिल पन्नून ने कथित तौर पर किसी संपर्क के माध्यम से टिकट खरीदे। उन्हें इस कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया था। कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति से आतंकवादी यह दिखाने की कोशिश कर रहा था कि वह ट्रम्प और उनकी प्रासंगिकता के कितने करीब है। इस बीच, डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिकी प्रशासन के प्रति अपने महत्व और निकटता का प्रचार करने की पन्नू की कोशिशें असफल रही हैं। इस संदेश को संप्रेषित करने के उनके प्रयास विफल हो गए हैं, विश्वसनीयता और प्रामाणिकता का अभाव है। हालांकि पन्नू की स्थित को देखकर ऐसा लगता है कि वो इस समारोह में आया जरूर था। लेकिन खुद को ज्यादा हाइलाइट होने से बचाना चाहता था। इसके अलावा उसके साथ कोई दूसरा खालिस्तान समर्थक भी नजर नहीं आया। जो खालिस्तान के समर्थन में नारे लगा रहा हो। पन्नू का दावा है कि उसे शपथग्रहण के लिए ट्रम्प गुट ने इनवाइट किया था। हालांकि, इंटरनेशनल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पन्नू ने शपथग्रहण प्रोग्राम का टिकट खरीदा था। पन्नून ने अपने खालिस्तान एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए कई मौकों पर भारत को धमकियाँ जारी की हैं। भारतीय अधिकारियों ने हमेशा उसकी धमकियों से निपटा है, उन्होंने कहा कि वह हमेशा अपने भारत विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए डर पैदा करने की कोशिश करता है।

हमास संग सीजफायर के बीच ये क्या हो गया, इजराइली सेना प्रमुख ने किया इस्तीफे का ऐलान

युद्धविराम लागू होने के कुछ दिनों बाद, इज़राइल के शीर्ष जनरल लेफ्टिनेंट जनरल हर्ज़ी हलेवी ने 7 अक्टूबर को हमास के आश्चर्यजनक हमले से संबंधित सुरक्षा और खुफिया विफलताओं का हवाला देते हुए मंगलवार को अपना इस्तीफा दे दिया, जिससे गाजा पट्टी में युद्ध शुरू हो गया। लेफ्टिनेंट जनरल हलेवी 7 अक्टूबर को सुरक्षा विफलता पर इस्तीफा देने वाले सबसे वरिष्ठ इजरायली व्यक्ति हैं, जब हमास के नेतृत्व वाले हजारों आतंकवादियों ने इजरायल के दक्षिणी हिस्से में बहुआयामी भूमि, समुद्र और हवाई हमला किया था। हमले में लगभग 1,200 लोग हताहत हुए, जबकि 250 लोगों का अपहरण कर लिया गया और उन्हें बंधक बनाकर रखा गया। उनमें से 90 से अधिक अभी भी गाजा में हैं, जिनमें से लगभग एक तिहाई को मृत माना जाता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।